दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 17 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रात: 05 :35 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 21 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 स्वास्थ्य बनाम स्वाद : समोसा और जलेबी से सावधान!

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 272 | गाजियाबाद, गुरुवार 17 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

जंग बीते दौर के हथियारों से नहीं जीत सकते : CDS

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि आज की जंग बीते दौर के हथियारों से नहीं जीती जा सकती। आज के युद्ध अब भविष्य की तकनीकों से ही संभव है। ऐसे में मानव रहित हवाई प्रणालियों (यूएवी) और काउंटर-यूएवी (सी-यूएएस) तकनीकों में आत्मनिर्भरता भारत के लिए बेहद जरूरी है।

जनरल चौहान मानेकशॉ सेंटर में यूएवी और सी-यूएएस की प्रदर्शनी के उद्घाटन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमें अब फैसला करना होगा कि हम अपनी रणनीति, तकनीक और दिशा खुद तय करेंगे या दूसरों पर निर्भर रहेंगे। आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप को देखते हुए भारत को भविष्य की तकनीकों में आत्मनिर्भर बनना होगा। सीडीएस ने कहा, भारत को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी तकनीकों में निवेश करना होगा। रक्षात्मक और आक्रामक अभियानों में आत्मनिर्भरता आज की रणनीतिक जरूरत है।

इस प्रदर्शनी का आयोजन इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय द्वारा सेंटर फॉर जॉइंट वॉरफेयर स्टडीज के सहयोग से किया गया। इसका विषय 'यूएवी और सी-यूएएस के क्षेत्र में विदेशी कंपनियों से आयातित महत्वपूर्ण तकनीकों का स्वदेशीकरण था। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही सीडीएस ने कहा, आत्मनिर्भर भारत की सोच केवल नारा नहीं, बल्कि जरूरत है। हम विदेशी तकनीकों पर निर्भर नहीं रह सकते। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। इससे न केवल हमारी तैयारियों पर असर पड़ता है, बल्कि हथियारों की उत्पादन क्षमता भी सीमित होती है और जरूरी स्पेयर पार्ट में दिक्कत आती है।

जनरल चौहान ने कहा कि विदेशी हथियारों और सेंसर की क्षमताएं सभी को पता होती हैं, जिससे दुश्मन हमारे अभियान और रणनीति को पहले ही भांप सकता है। लेकिन अगर तकनीक हमारी अपनी होगी, तो हम दुश्मन को आश्चर्य में डाल सकते हैं।

पाक के ड्रोन नुकसान नहीं पहुंचा सके सीडीएस चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, यह ऑपरेशन इस बात का सबूत है कि भारत की स्वदेशी यूएएस और सी-यूएएस तकनीकें हमारे भूगोल और जरूरतों के अनुसार बेहद प्रभावी हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अनआर्म्ड ड्रोन और लूटर म्यूनिशन का इस्तेमाल किया था, लेकिन ये भारत के सैन्य या नागरिक ढांचे को कोई क्षति नहीं पहुंचा सके। इनमें से अधिकतर ड्रोन को भारतीय सुरक्षा बलों ने निष्क्रिय कर दिया था। बता दें कि पाकिस्तान ने तुर्की और चीन निर्मित ड्रोन का इस्तेमाल किया था।

भारत की जरूरत के हिसाब से बनें हथियार : ब्रिगेडियर नारंग कार्यक्रम के पहले सत्र में सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर अंशुमान नारंग ने 'ऑपरेशन सिंदूर : स्वदेशीकरण का महत्व और उससे मिली सीख विषय पर प्रश्तुति दी। उन्होंने कहा, स्वदेशीकरण केवल ड्रोन या किसी एक तकनीक तक सीमित न रहे, बल्कि सभी हथियार प्रणालियों को भारत की जरूरतों के हिसाब से विकसित किया जाना चाहिए।

वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा पर SC सुनवाई को तैयार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने वकीलों के सामने आने वाली समस्याओं, खासकर उनके विशेषाधिकारों के उल्लंघन को लेकर दायर एक याचिका पर केंद्र और अन्य से बुधवार को जवाब तलब किया।

जज विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने शीर्ष अदालत के अधिवक्ता आदित्य गोरे की ओर से दायर याचिका पर केंद्र, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) और अन्य को नोटिस जारी किए। गोरे केंद्र सरकार से साल 2014 से अधिवक्ता (संरक्षण) विधेयक को आगे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। पीठ ने गोरे की याचिका को जांच एजेंसियों की ओर से मामलों की जांच के दौरान कानूनी राय देने या पक्षों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को तलब करने के मुद्दे पर लंबित स्वतः संज्ञान मामले के साथ संलग्न कर दिया। गोरे की ओर से पेश वकील निशांत आर कटनेश्वरकर ने कहा, ''याचिकाकर्ता एक वकील हैं और वह लगभग 11 वर्षों से बार काउंसिल सहित संबंधित प्राधिकारियों से इस विधेयक का मसौदा तैयार करने का अनुरोध कर रहे हैं।''

पीठ ने कहा कि विधेयक विचाराधीन है। याचिका में वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा के मकसद से अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 10 (3) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत संबंधित अधिकारियों को एक समिति गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

ब्लड मनी को अस्वीकार कर तलाल के भाई अब्देलफतेह का पोस्ट, खून को खरीदा नहीं जा सकता

नर्स निमिषा प्रिया को बचाने की अंतिम उम्मीद खत्म

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

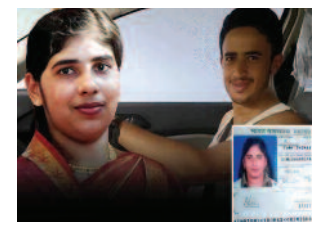

यमन में सजा-ए-मौत का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के लिए राहत का वक्त कुछ घंटे ही बचा है। अब तलाल आबदो मेहदी के परिवार ने फिर से कहा हैं कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेगा।

तलाल आबदो मेहदी पर आरोप है कि उसने निमिषा प्रिया का उत्पीड़न कर उसका पासपोर्ट रख लिया था। पासपोर्ट हासिल करने के लिए ही निमिषा ने तलाल को ड्रग्स दिया था और उसकी ओवरडोज से वह मर गया था। मामले में निमिषा प्रिया को सजा-ए-मौत सुनाई गई है। उन्हें 16 जुलाई के दिन सजा मिलनी थी, लेकिन केरल के ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दखल से फांसी को टाल दिया गया था।

बताया गया कि निमिषा प्रिया के वकील और परिजनों को वक्त दिया जाएगा कि वे तलाल के परिवार को ब्लड मनी के लिए राजी कर लें। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

तलाल के भाई का कहना है कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेगा। तलाल के भाई अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि हमारे परिवार ने समझौते के सभी ऑफर खारिज किए हैं। हम चाहते हैं कि भाई की कातिल को सजा-ए-मौत ही मिले। माफी के सवाल पर अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि यह बेहद गंभीर अपराध है और इसमें कोई माफी नहीं दी जा सकती। हम इस मामले में दीयत यानी ब्लड मनी स्वीकार नहीं करने वाले है।

यमन के कानून के अनुसार यदि मारे गए शख्स का परिवार आरोपी से मुआवजे के बदले माफी दे, तब सजा खत्म की जा सकती है। अब्देलफतेह ने पोस्ट में कहा, आज क्या हो रहा है। मध्यस्थता और समझौते की बातें हो रही हैं। यह कोई नई बात नहीं है ना ही सरप्राइज वाली चीज है।

इस साल फिर से कई बार समझौते की कोशिशें हुई हैं और ये नई नहीं हैं। हम पर काफी दबाव डाला गया है, लेकिन हमारी मांग में कोई बदलाव नहीं है। हम भी यही चाहते हैं कि आरोपी को सजा-ए-मौत हो। फिलहाल सजा को टाल दिया गया है और हम इससे हैरान हैं। मध्यस्थता करने वाले समझ लें कि हम किसी भी तरह से समझौते के लिए तैयार नहीं हैं।

संसद : आम सहमति बनाकर चलाना सरकार की जिम्मेदारी : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले कांग्रेस ने सरकार को कहा है कि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्वक चलाना सरकार की जिम्मेदारी है और इसके लिए उसका विपक्ष के साथ सहमति बनाकर चलना आवश्यक है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार का दायित्व संसद का शांतिपूर्वक संचालन करना है और संसद चले इसके लिए सरकार को विपक्ष के साथ सहमति बनाकर चलना होगा। उनका कहना था कि प्रायः देखा गया है कि इस सरकार ने पहले ऐसा नहीं किया है और दूसरे दलों को महत्व नहीं दिया है और सरकार अचानक विधेयक लाकर उसे संसद में बिना चर्चा के पारित करा देती है। उन्होंने कहा, "जब सरकार और विपक्ष के बीच आम सहमति होगी, तभी संसद ठीक से चलेगी और यह आम सहमति बनाने की ज़िम्मेदारी सरकार की होती है। ऐसा हर सरकार में होता आया है और हमने कई प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में ये होते देखा है, लेकिन दुर्भाग्य से, पिछले 11 वर्षों में जिस तरह से संसद में अचानक विधेयक पेश किए जाते हैं।

'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' को दी मंजूरी, 100 जिलों में कृषि क्षेत्र का होगा विकास

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' को मंजूरी दी है। यह योजना वित्त वर्ष 2025-26 से शुरू होकर अगले 6 साल तक लागू की जाएगी और देश के 100 जिलों को कवर करेगी। 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि' योजना, नीति आयोग के 'आकांक्षी जिला कार्यक्रम' की पहल से प्रेरित है। यह कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर केंद्रित अपनी तरह की पहली योजना होगी। इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत और ब्लॉक श्तर पर फसल कटाई के बाद भंडारण की सुविधा बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक कृषि ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

दिल्ली के स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दिल्ली के स्कूलों को लगातार तीसरे दिन बुधवार को पाँच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस के अनुसार द्वारका के सेंट थॉमस, वसंत कुंज के वसंत वैली स्कूल, हौज खास स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, पश्चिम विहार स्थित रिचमंड ग्लोबल स्कूल और लोदी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम की धमकी के बाद आनन-फानन में एहतियात के तौर पर स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया है। दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दश्ता और अग्निशमन विभाग की टीम स्कूल परिसर में जांच कर रही है। फिलहाल किसी भी स्कूल में कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है।

'उदयपुर फाइल्स' के प्रदर्शन पर लगी रोक हटाने से सुप्रीम कोर्ट का फिलहाल इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल तेली की हत्या पर बनी हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर लगी अदालती रोक हटाने से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के अंतरिम रोक संबंधी आदेश में फिलहाल हश्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार निर्देशानुसार (दिल्ली उच्च न्यायालय के) फिल्म की जांच कर सकती है और तब तक ये मामला संबंधित याचिकाओं पर कोई सुनवाई के लिए लंबित रहेगा।

अस्पतालों के मनमाने इलाज खर्च पर निगरानी की तैयारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अस्पतालों द्वारा मनमाने तरीके से मरीजों से बिल वसूले जाने के मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार स्वास्थ्य देखभाल नियामक लाने पर विचार कर रही है। इसको लेकर जल्द ही राज्यों के साथ चर्चा होगा। उसके बाद नियामक का मसौदा तैयार किया जाएगा। यह नियामक सुनिश्चित करेगा कि हर श्रेणी के इलाज खर्च में समानता हो और बीमा पॉलिसी और अपने जेब नगद खर्च कर इलाज कराने वाले मरीजों के लिए एक से मापदंड अपनाए जाएं।

इससे आम आदमी और बीमा कंपनियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि वित्त मंत्रालय ने नियामक को लेकर चर्चा के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिख है, जिससे कि नियामक का मसौदा तैयार किया जा सके।

मौजूदा समय इलाज खर्च को लेकर आम आदमी से लेकर बीमा कंपनियों की तरफ से तमाम सारी शिकायतें है। देश भर के अस्पतालों द्वारा उन मरीजों के बिल बढ़ा-चढ़ाकर बनाए जाते हैं, जो किसी बीमा पॉलिसी पर इलाज के लिए भर्ती होते हैं। जबकि बिना बीमा पॉलिसी के नगद में इलाज कराने वाले मरीजों का इलाज खर्च (बिल) कम होता है। इसको लेकर बीमा कंपनियों द्वारा भी लगातार आपत्ति दर्ज कराई जा रही है। उनका तर्क है कि अस्पताल बीमा पॉलिसी पर भर्ती मरीज का इलाज का खर्च बढ़ाकर दे रहे हैं। इलाज खर्च बढ़े, इसके लिए कई सारे तरीके अपनाए जा रहे हैं। मरीज के भर्ती रहने के दौरान कई गैर जरूरी जांचों को कराया जाता है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने की स्थिति में भी मरीज को अनावश्यक जांच के नाम पर भर्ती रखा जाता है। इससे बीमा कंपनियों पर बोझ बढ़ रहा है।

नुकसान में हैं कई बीमा कंपनियां

अस्पतालों की मनमानी के चलते कई सारी कंपनियों के पास दावे (क्लेम) की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि अगर स्वास्थ्य बीमा श्रेणी में देखा जाए तो कई सारी कंपनियां घाटे में हैं। क्योंकि सामान्य बीमारी की स्थिति में भी मरीज के भर्ती होने पर मोटा क्लेम देना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में कंपनियों के पास न केवल दावों की संख्या बढ़ रही है, बल्कि दावे में शामिल धनराशि भी बढ़ रही है।

कंपनियों ने उठाई मांग

बीमा कंपनियों ने सरकार के सामने मांग उठाई कि अस्पतालों में इलाज खर्च को लेकर मानक निर्धारित किया जाना चाहिए। वर्तमान में अगर कोई मरीज बिना बीमा पॉलिसी के भर्ती हुआ है तो उसके लिए रूम चार्ज से लेकर अल्ट्रासाउंड, एमआरआई समेत अन्य जांच की कीमतों में अंतर है या फिर उन मरीजों की कोई अनावश्यक जांच नहीं कराई जाती है। जबकि पॉलिसी पर भर्ती होने वाले मरीजों का मोटा बिल बनाया जा रहा है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए इलाज खर्च के लिए मानक निर्धारित किए जाए।

जस्टिस वर्मा पर एक्शन सहित 8 बड़े बिल संसद के मानसून सत्र में होंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

21 जुलाई से शुरु होने जा रहे संसद के मानसून सत्र में करीब 8 बिल लाने की तैयारी चल रही है। खबर है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार इस मानसून सत्र में आयकर विधेयक को संसद की मंजूरी दिलाने की तैयारी में है।

इसके साथ ही आठ नए विधेयकों को भी पेश किया जाएगा। इसके अलावा, हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रश्ताव भी संसद में लाया जा सकता है। घर में भारी मात्रा में नकदी मिलने के बाद जस्टिस वर्मा सवालों के घेरे में हैं। बता दें कि यह विधेयक ऐसे समय में आ रहा है जब हाल के वर्षों में कई खेल महासंघों में गड़बड़ियों और अनियमितताओं को लेकर विवाद सामने आए हैं।

इसलिए सरकार इस विधेयक के जरिए खेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है।लोकसभा की एक आंतरिक बुलेटिन के अनुसार, इनमें खेलों में नैतिक आचरण और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक और देश की भू-वैज्ञानिक विरासत के संरक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विधेयक भी शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस मानसून सत्र में कुल 12 विधेयकों को शामिल किया गया है, जिनमें कुछ पहले से संसद में पेश किए जा चुके हैं और कुछ अभी संसदीय समितियों के विचाराधीन हैं। यह सत्र 21 अगश्त तक चलेगा।

सरकार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने के लिए भी दोनों सदनों से मंजूरी मांगेगी। मणिपुर में यह शासन 13 फरवरी 2025 को लागू किया गया था। इसके अलावा, हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रश्ताव भी संसद में लाया जा सकता है।

उत्तर भारत में मानसून का कहर : राजस्थान में 18 मौतें, बिहार-यूपी में बाढ़, हिमाचल-उत्तराखंड में भूस्खलन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लगातार दो दिन से जारी मूसलाधार बारिश के कारण राजस्थान में 18 लोगों की जानें चली गईं हैं। जयपुर, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के निचले इलाकों में 4 से 5 फीट तक जलभराव रहा, जबकि बूंदी में मेज नदी का जलश्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचते ही कई गांव मुख्यालय से कट गए। प्रदेश के आठ ज़िलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है और प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक आवागमन न करने की अपील की है।

बिहार में गंगा और इसकी सहायक नदियों के उफान के चलते हालात गंभीर बने हुए हैं। मुंगेर और गयाजी में हुई भारी बारिश के कारण तेज़ बहाव में दो छोटे-पुल बह गए, जबकि औरंगाबाद के अटल बिगहा गांव में पानी घुसने से लगभग 500 घर डूब गए हैं। स्थानीय प्रशासन की रिपोर्ट अनुसार आपदा प्रबंधन विभाग ने नाव और एनडीआरएफ टीमें तैनात की हैं; फ़ौरन राहत के तौर पर सूखा राशन, तिरपाल और मेडिकल कैंप खोल दिए गए हैं।

गंगा-यमुना उफान पर

उत्तर प्रदेश में गंगा-यमुना उफान पर हैं। वाराणसी में जलश्तर 68.43 मीटर पहुंचने से सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। इसके चलते गंगा आरती सहित नाव परिचालन रोक दिया गया है। प्रयागराज के बलुआघाट-बारादरी जलमग्न होने से यमुना आरती का स्थान भी बदलकर बरुआ बाबा मंदिर के पास कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश के 25 जिलों में भारी बारिश

मध्य प्रदेश के इंदौर, ग्वालियर सहित 25 ज़िलों में भारी बारिश जारी है। जिला आपदा सेल से प्राप्त जानकारी अनुसार सिहोर और दतिया में बाढ़ से अलग-अलग हादसों में पाँच लोगों की मौत हुई है, जबकि कई सड़कें कई घंटे बन्द रहीं। भारी बारिश के चलते पहाड़ी राज्यों में हालात और चुनौतिपूर्ण बने हुए हैं। हिमाचल में 200 से ज़्यादा और उत्तराखंड में 58 सड़कें भूस्खलन से बंद हो गईं हैं। सिरमौर ज़िले के पावंटा साहिब-शिलाई एनएच-707 पर ताज़ा लैंडस्लाइड से यातायात घंटों रुका रहा, लोग जान जोखिम में डालकर मलबा पार करते दिखे।

आईएमडी के मुताबिक पूर्वी-मध्य राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में बहुत भारी बारिश का दौर बने रहने की आशंका है; इसके बाद 17-18 जुलाई से सिस्टम कमजोर पड़ने के आसार हैं।

सावधानी ही सुरक्षा

भारी बारिश को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है और बताया जा रहा है कि निचले या तटीय इलाकों के लोग ऊँचे स्थानों पर अस्थायी शेल्टर में रहें।

स्वर्ण मंदिर को तीसरी बार मिली बम से उड़ाने की धमकी, फर्जी आईडी से भेजा गया ई-मेल

✷ वेबवार्ता. चंड़ीगढ़ ✷

पंजाब में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को पिछले कुछ दिनों में तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद मंदिर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को एक फर्जी ई-मेल आईडी से मेल मिला है, जिसमें मंदिर के अंदर आरडीएक्स से भरे पाइपों से विस्फोट करने की धमकी दी गयी है।

सुरक्षा कारणों से संदेश के विवरण का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बम निरोधक दश्ते और खोजी स्वानों को विस्फोटक खोजने में लगाया गया है। एसजीपीसी और अमृतसर पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो वहां तैनात हैं। आने-जाने वालों पर निगरानी बढ़ा दी गयी है और सभी आगंतुकों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है।

एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी के अनुसार मंगलवार को भी केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नाम से एक फर्जी ई-मेल आईडी से ऐसी ही धमकी मिली थी। आज की धमकी 'आसिफ कपूर' नाम की एक आईडी से आयी है और यह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी भेजी गयी है।

श्री धामी के अनुसार, 15 जुलाई को केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नाम से एक फर्जी ई-मेल आईडी से ऐसी ही धमकी मिली थी। आज की धमकी 'आसिफ कपूर' नाम से एक आईडी से आयी है और यह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी भेजी गयी है। अधिकारी इन धमकियों के स्रोत और उद्देश्य की जांच कर रहे हैं, जबकि एसजीपीसी ने मंदिर के आसपास सुरक्षा कड़ी करने की और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

चलती बस में दिया बच्चे को जन्म, तुरंत खिड़की से बाहर भी फेंक दिया; नवजात की मौत

परभणी, एजेंसी। महाराष्ट्र के परभणी में 19 वर्षीय युवती ने चलती बस में बच्चे को जन्म दिया, लेकिन उसने और उसका पति होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने नवजात को खिड़की से बाहर फेंक दिया जिससे बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे पाथरी-सेलु मार्ग की है। एक नागरिक ने देखा कि कपड़े में लिपटी कोई चीज बस से बाहर फेंकी गई जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। उन्होंने बताया, रितिका ढेरे नाम की युवती संत प्रयाग ट्रैवल्स की स्लीपर कोच बस में अल्ताफ शेख (जो उसका पति होने का दावा कर रहा था) के साथ पुणे से परभणी जा रही थी। उन्होंने कहा, यात्रा के दौरान गर्भवती युवती को प्रसव पीड़ा हुई और उसने एक लड़के को जन्म दिया। हालांकि, दंपति ने नवजात शिशु को कपड़े में लपेटा और बस से बाहर फेंक दिया। स्लीपर बस के चालक ने देखा कि खिड़की से कुछ बाहर फेंका गया है। जब उसने इसके बारे में पूछा तो शेख ने उसे बताया कि उसकी पत्नी का जी मचल रहा था जिसके कारण उसने उल्टी की थी।अधिकारी ने बताया, इस बीच जब सड़क पर एक व्यक्ति ने बस से फेंकी गई चीज देखी, तो उसने करीब जाकर देखा और एक बच्चे को देखकर दंग रह गया। उसने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। बाद में गश्त पर तैनात स्थानीय पुलिस की एक टीम ने बस को रोक लिया। अधिकारी ने बताया कि वाहन की जांच और प्रारंभिक पूछताछ के बाद, उन्होंने युवती और शेख को हिरासत में ले लिया।दंपति ने बताया कि उन्होंने नवजात को इसलिए फेंक दिया क्योंकि वे इसके पालन-पोषण में असमर्थ थे। उन्होंने बताया कि सड़क पर फेंके जाने से बच्चे की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार ढेरे और शेख दोनों परभणी के रहने वाले हैं और पिछले डेढ़ साल से पुणे में रह रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने पति-पत्नी होने का दावा किया, लेकिन इस बात को साबित करने के लिए कोई दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। अधिकारी ने कहा, उन्हें हिरासत में लेने के बाद, पुलिस ने युवती को अस्पताल में भर्ती करा दिया है। उन्होंने बताया कि परभणी के पाथरी पुलिस स्टेशन में दंपति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को नोटिस जारी कर दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने 52 लाख में खरीदे 160 स्टील जग: कांग्रेस

रायपुर, एजेंसी। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार पर घपलेबाजी का बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि राज्य की भाजपा सरकार ने एक स्टील जग खरीदने के लिए 32 हजार रुपये खर्च किए हैं। इस तरह स्टील जग के कुल 160 नग खरीदने के लिए सरकार की तरफ से 52 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। कांग्रेस ने इसे वर्ल्ड कप नहीं, विष्णुदेव का स्टील जग कहकर तंज कसा है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के एक्स हेंडल पर दो दस्तावेजों की फोटो शेयर करते हुए लिखा गया- यह वर्ल्ड कप नहीं, विष्णुदेव का स्टील जग है। एक स्टील के जग की कीमत 32000 रुपए। 160 नग की खरीदी 51,00,000 रुपए। इसके बाद छत्तीसगढ़ भाजपा पर हमला करते हुए लिखा- बेशर्मों ने आदिवासी बच्चों के पैसे को भी नहीं छोड़ाज कांग्रेस की तरफ से शेयर की गई तस्वीर में छत्तीसगढ़ सरकार के एससी, एसटी डेवलपमेंट विभाग के बारे में जानकारी साझा की गई है। इस दस्तावेज के मुताबिक क्लासिक ब्रैंड के 160 जग खरीदे गए हैं, जो कि 1 हजार एमएल के हैं। इनकी कुल कीमत 5199920 रुपये बताई गई है। दस्तावेज में कॉन्ट्रैक की डेट नौ जनवरी 2025 लिखी है। हालांकि इस मामले में अभी तक भाजपा की तरफ से कोई स्पष्टीकरण या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस मामले में भाजपा स्पष्टीकरण देगी।

गैंग रेप केस में फंसे हरियाणा के भाजपा अध्यक्ष और सिंगर रॉकी मित्तल की बढ़ी मुश्किलें

चण्डीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और सिंगर रॉकी मित्तल की मुश्किलें फिर बढ़ गई हैं। गैंगरेप के आरोप में दोनों के खिलाफ हिमाचल प्रदेश की सोलन कोर्ट में एक बार फिर मुकदमा चलेगा। मंगलवार को सोलन के जिला एवं सत्र न्यायालय ने दुष्कर्म पीड़िता की याचिका को मंजूरी दे दी है। मामले की सुनवाई 30 जुलाई को कसौली कोर्ट में होगी। इसमें दुष्कर्म पीड़िता का पक्ष सुना जाएगा।

इससे पहले पीड़ित महिला ने कसौली में केस बंद होने के बाद सोलन जिला अदालत में केस को दोबारा खोलने की की याचिका लगाई थी। उसने तर्क दिया था कि उसका पक्ष जाने बिना ही इस केस की क्लोजर रिपोर्ट दे दी गई थी। अब पीड़ित महिला केस की क्लोजर रिपोर्ट पर अपनी आप?त्ति दर्ज करवाएगी।

कसौली पुलिस ने जांच के दौरान हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और मित्तल के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिलने की बात कही थी। इसके आधार पर पुलिस ने केस बंद करने की अर्जी दी, जिसे कसौली कोर्ट ने 12 मार्च को स्वीकार कर लिया था । पुलिस का कहना है कि आरोप लगाने वाली महिला को बयान देने के लिए दो बार समन भेजे गए थे, लेकिन दोनों बार अलग-अलग पतों पर महिला ने समन नहीं लिए। इसके बाद पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट सौंपी, जिसे अदालत ने मंजूर करते हुए मामला बंद कर दिया।

दिल्ली की रहने वाली इस महिला ने दोनों मोहन लाल और रॉकी मित्तल पर गैंगरेप के आरोप लगाए थे। पिछले साल 13 दिसंबर को महिला ने बड़ौली और मित्तल पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला दर्ज करवाया था। महिला ने कसौली के एक होटल में गैंगरेप होने की कही थी। मोहन लाल बडौली ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे अपने खिलाफ साजिश का हिस्सा बताया। वहीं रॉकी मित्तल की शिकायत पर शिकायतकर्ता लड़की और सोनीपत के अमित बिंदल और तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। उन्होंने हनीट्रैप में फंसाकर पैसे की डिमांड करने पर यह केस दर्ज करवाया था। ?शिकायतकर्ता की एक सहेली भी पंचकूला में मीडिया के सामने आई थी और गैंगरेप को झूठा बताया था।

उन्हें हिंदी के साथ 17 भाषाओं का ज्ञान था, पूर्व प्रधानमंत्री को याद कर बोले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

अमरावती, एजेंसी।
भाषा पर जारी बहस के बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को हिंदी सहित 17 भाषाओं का ज्ञान था। 'पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव का जीवन और विरासत' विषय पर व्याख्यान देते हुए नायडू ने उन्हें एक महान राजनेता और दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया, जिन पर तेलुगु समुदाय को गर्व है। नायडू ने कहा कि उनके और राव के बीच बहुत अच्छे संबंध थे। नायडू ने राव का ज़िक्र करते हुए कहा, वह एक छात्र नेता, एक स्वतंत्रता सेनानी और 17 भाषाओं में पारंगत विद्वान थे। उन्होंने कहा, अब हम सब बात कर रहे हैं कि आपको हिंदी क्यों सीखनी चाहिए? उन्होंने न केवल हिंदी का ज्ञान लिया बल्कि 17 भाषाएं सीखी। इस तरह वे एक महान व्यक्ति बन गए हैं। मंगलवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने भारत का भविष्य बदल दिया और उनके द्वारा किए गए सुधारों का आज भी फल मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''1991 से पहले भारत समाजवादी आर्थिक मॉडल अपनाए हुए था। अर्थव्यवस्था में 'लाइसेंस राज' था, विदेशी निवेश सीमित था... 1991 तक भारत एक बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा था और 1991 के मध्य तक विदेशी मुद्रा भंडार अपने सबसे निचले स्तर पर जा पहुंचा था।''

नायडू ने कहा, यह साहसिक सुधार लाने और दूरदर्शी नीति अपनाने का समय था। जून 1991 में जब राव प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने माना कि संकट एक अवसर है और भारत को साहसिक आर्थिक सुधारों की आवश्यकता है। उन्होंने ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने भारत का भविष्य बदल दिया, हम सभी आज यहां इस सुधार के फल का लाभ ले रहे हैं।नायडू ने कहा कि राव द्वारा किए गए सुधारों के बाद, अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान बुनियादी अवसंरचना के निर्माण पर काम किया।

गुरु तेग बहादुर के नाम पर रखा जाए जेवर एयरपोर्ट का नाम : बेदी

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

देश में महान बलिदानियों के सम्मान में निरंतर आवाज उठाने वाले सामाजिक संगठन, आप और हम राष्ट्रीय भ्रष्टाचार अपराध मुक्ति संगठन के बैनर तले राष्ट्रीय अध्यक्ष बी एस बेदी ने एक ऐसे महान बलिदानी, मानवीय मूल्यों एवं सनातन धर्म की रक्षा में दुनियां के इतिहास की अनमोल दी। ऐसी महान शख्सियत गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर जेवर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम रखने की मांग को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्रीके नाम अलीगढ़ डीएम कार्यालय पर एसीएम द्वितीय दिग्विजय सिंह को ज्ञापन सौंपा।

बीएस बेदी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर महाराज जी की शहादत को भुलाया नही जा सकता है। गुरु जी का सारा परिवार राष्ट्र और सनातन धर्म की रक्षा में कुर्बान हो गया।भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार जिस तरह से सिख गुरुओं में अपनी सच्ची श्रद्धा एवं आस्था रखती है इस से सिख समाज के लिए सरकार से ज्यादा उम्मीद बढ़ जाती है कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम का प्रशताव लाने में सरकार देर नहीं करेगी और जेवर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट को श्री गुरु तेग बहादुर महाराज जी के नाम पर रख कर आने वाले 350 वें शहीदी दिवस पर सम्मान देकर समूचे सिख समाज का मान रखेगी। मांग उठाने वालो मे मुख्य रूप से बी एस बेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष, गौरव सैनी जिलाध्यक्ष, बंगाली बाबू, रामगोपाल दीक्षित, सुशील महाजन, ठाकुर भजन सिंह, पुष्पेंद्र, रोहित सिंह, तरुण वर्मा आदि मौजूद रहे।

संविधान की प्रस्तावना से हटाए जाएं सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द, आरएसएस ने फिर उठाई आवाज

नागपुर, एजेंसी।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा हाल ही में संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की समीक्षा की मांग की गई थी। संघ से प्रेरित साप्ताहिक पत्रिका ऑर्गनाइजर ने इन शब्दों को विचारधारा से प्रेरित बारूदी सुरंग करार दिया है। पत्रिका का कहना है कि इन शब्दों का उद्देश्य धार्मिक मूल्यों को कमजोर करना और राजनीतिक तुष्टिकरण को बढ़ावा देना था। एक लेख के जरिए इन्हें हटाने और मूल प्रस्तावना को बहाल करने की वकालत की गई है।

डॉ. निरंजन बी पूजार ने यह लेख लिखा है। इसका शीर्षक प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्षता पर पुनर्विचारः भारत की संवैधानिक अखंडता को पुनः प्राप्त करना दिया गया है। लेख में कहा गया है, इन शब्दों को प्रस्तावना में जोड़ना सिर्फ एक सौंदर्य वाला बदलाव नहीं था, बल्कि यह एक विचारधारा थोपने का प्रयास था, जो भारत की सभ्यता की पहचान और संवैधानिक लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है।

लेख के अनुसार, ये शब्द 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से आपातकाल (1975-77) के दौरान जोड़े गए थे। उस समय संसद दबाव में काम कर रही थी। विपक्षी नेता जेल में थे और मीडिया पर सेंसरशिप लागू थी। लेख में लिखा है, यह एक संवैधानिक धोखा था। जैसे कोई व्यक्ति बेहोशी की हालत में हो और उसकी वसीयत में छेड़छाड़ की जाए।

हिंदुओं के खिलाफ सेक्युलर शब्दः लेख में कहा गया कि भारत में धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा अपनी मूल भावना से भटक गई है। लेख के मुताबिक, धर्मनिरपेक्षता अब तटस्थता का प्रतीक नहीं रही, बल्कि अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर यह हिंदुओं के खिलाफ राज्य प्रायोजित भेदभाव का आवरण बन गई है। लेख में इस बात पर बल दिया गया है कि भारत कभी भी न तो एक समाजवादी देश रहा है और न ही नास्तिक धर्मनिरपेक्ष देश इसके मूल में रहा है।

ऑर्गनाइजर के लेख में कहा गया है कि इन शब्दों को हटाना कोई वैचारिक आग्रह नहीं, बल्कि संवैधानिक ईमानदारी की बहाली, राष्ट्रीय गरिमा की पुनर्स्थापना और राजनीतिक पाखंड का अंत है। लेख में कहा गया है, भारत को अपने संविधान की उस प्रस्तावना की ओर लौटना चाहिए जिसे संविधान सभा ने स्वीकार किया था न कि उस संशोधित प्रस्तावना की ओर जिसे एक जबरन थोपा गया कानून माना जा सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने बीजेपी नेता को भेजा मानहानि नोटिस

चण्डीगढ़, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल के पूर्व बीजेपी सांसद अर्जुन सिंह के हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री के बारे में दिए गए बयान पर भूपेंद्र हुड्डा ने उन्हें मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। 8 जुलाई को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में अर्जुन सिंह ने मीडिया से बातचीत में हुड्डा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने दावा किया था कि हुड्डा ने उनसे कहा था कि अगर वो हर महीने की 30 तारीख को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को 500 करोड़ रुपये नहीं भेजेंगे, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ेगा।

नोटिस में हुड्डा की तरफ से कहा गया है कि अर्जुन सिंह 7 दिन के अंदर माफी मांगें। हुड्डा के बीजेपी सांसद के बयान को अलग-अलग वीडियो प्लेटफॉर्म से हटाया जाए की भी मांग की है। नोटिस में कहा गया है कि अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लीगल नोटिस में कहा गया कि पूर्व बीजेपी सांसद अर्जुन सिंह ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के ??खिलाफ एक झूठा, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक बयान दिया था, जिसे व्यापक रूप से प्रसारित

और रिपोर्ट किया जा रहा है। हुड्डा ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि यह एक अत्यंत सम्मानित सार्वजनिक हस्ती की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास हैं। यह भी कहा गया है कि यह उनके नाम को बदनाम करने, जनता, मीडिया और राजनीतिक बिरादरी की नजरों में उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। पूर्व बीजेपी सांसद अर्जुन सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा था, मैं आपको एक ऐसी बात बताऊं, जो शायद आप सभी को चौंका दे। हरियाणा में कांग्रेस पार्टी से जुड़े एक मुख्यमंत्री हुआ करते थे। कुछ समय पहले की बात है, उनका नाम क्या है? हुड्डा, भूपेंद्र हुड्डा। एक दिन मैं उनसे मिलने गया और उन्होंने मुझसे कहा कि अगर वह हर महीने की 30 तारीख को सोनिया गांधी को 500 करोड़ रुपये नहीं भेजेंगे।

नोएडा में बैठकर अमेरिकी लोगों को लगाते थे चूना, चलाते थे पूरा कॉल सेंटर; 12 ठग धरे

नोएडा एजेंसी।
नोएडा पुलिस ने अमेरिकी नागरिकों से ठगी करने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में गिरोह के सरगना समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त (नोएडा जोन) यमुना प्रसाद ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 लैपटॉप, 16 मोबाइल फोन, नौ लैपटॉप चार्जर, नौ हेडफोन, एक इंटरनेट राउटर और अन्य सामान जब्त किए हैं। यमुना प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार रात एक्सप्रेसवे थाना पुलिस ने 'जेपी कॉसमॉस बिल्डिंग' की 17वीं मंजिल पर छापा मारा। इस कार्रवाई में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ हुआ।

पुलिस ने गिरोह के सरगना मुस्तफा शेख, जो मुंबई का निवासी है और केवल 10वीं पास है, के साथ-साथ चिनेवे, दिनेश पांडेय, सोहिल अजमिल, उमर सम्सी, कल्पेश शर्मा, आफताब कुरैशी, विडोव, राम सेवक, सत्यनारायण मंडल, थिजनो लुटो और निबूले अकामी को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि यह गिरोह गूगल ऐप के जरिए अमेरिकी नागरिकों का डेटा खरीदता था। इसके आधार पर उन्हें 'गिफ्ट वाउचर' के लालच में ऋण के ऑफर वाले ईमेल भेजे जाते थे। जब कोई व्यक्ति जवाब देता, तो प्रोसेसिंग शुल्क के

नाम पर 300 डॉलर वसूले जाते। ठगी की रकम भारतीय मुद्रा में बदलने तक आरोपी पीड़ितों के संपर्क में रहते। प्रसाद ने बताया कि यह गिरोह अब तक लगभग 150 अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना चुका है। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

उत्तराखंडः सरकारी स्कूलों में प्रतिदिन होगा गीता श्लोकों का पाठ अनिवार्य, जारी हुआ आदेश

देहरादून, एजेंसी।
पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने के उद्देश्य से, उत्तराखंड सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों में श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का दैनिक पाठ अनिवार्य कर दिया है। तुरंत प्रभाव से, राज्य भर के छात्र सुबह की प्रार्थना के दौरान गीता के एक श्लोक से अपना दिन शुरू करेंगे।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती द्वारा सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि छात्रों को प्रतिदिन पढ़े जाने वाले श्लोक के अर्थ और वैज्ञानिक प्रासंगिकता के बारे में भी जानकारी दी जानी चाहिए। इस कदम का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा को पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों के साथ मिलाना और छात्रों में मानवीय मूल्यों और चरित्र निर्माण के गुणों का विकास करना है। अधिकारियों का कहना है कि इसका उद्देश्य छात्रों के बौद्धिक, भावनात्मक और नैतिक विकास को पोषित करते हुए मूल्य-आधारित शिक्षा मॉडल को बढ़ावा देना है।

दिशानिर्देशों के अनुसार, शिक्षकों को सप्ताह का एक श्लोक चुनना होगा, उसे अर्थ सहित स्कूल के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करना होगा, और छात्रों द्वारा नियमित रूप से उसका पाठ सुनिश्चित करना होगा। प्रत्येक सप्ताह के अंत में, चयनित श्लोक पर कक्षाओं में चर्चा की जाएगी और छात्रों की प्रतिक्रिया एकत्र की जाएगी, जिससे उनकी समझ और जुड़ाव को गहरा करने में मदद मिलेगी।

शिक्षकों को गीता की दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक शिक्षाओं की व्याख्या करने का भी निर्देश दिया गया है, इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हुए कि वे चरित्र विकास, भावनात्मक संतुलन, नेतृत्व कौशल और तर्कसंगत निर्णय लेने में कैसे सहायक हैं। निर्देश में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि गीता के श्लोक केवल पढ़ने तक सीमित न रहें, बल्कि छात्रों के दैनिक आचरण और दृष्टिकोण को प्रभावित करें।

यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है, जो भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को समकालीन शिक्षा में शामिल करने की वकालत करती है। आदेश में कहा गया है कि गीता की शिक्षाएँ मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र, व्यवहार विज्ञान और नैतिक दर्शन पर आधारित हैं, और इन्हें धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण से पढ़ाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहले राज्य

के पाठ्यक्रम में भगवद् गीता और रामायण की शिक्षाओं को शामिल करने का आह्वान किया था। आगामी शैक्षणिक सत्र में इन परिवर्तनों को दर्शाने वाली नई पाठ्यपुस्तकें शुरू किए जाने की उम्मीद है।

धार्मिक और शैक्षिक संस्थाओं का समर्थनः इस कदम को सभी शैक्षिक जगत से समर्थन मिला है। उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा, राम और कृष्ण दोनों हमारे पूर्वज हैं और हर भारतीय के लिए उनके बारे में जानना ज़रूरी है। उन्होंने मदरसों में संस्कृत भाषा को शामिल करने के लिए मदरसा बोर्ड और संस्कृत विभाग के बीच सहयोग की योजना की भी घोषणा की, जिससे सांस्कृतिक एकता और शैक्षिक समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा।

ई रिक्शा को मैक्स गाड़ी ने मारी टक्कर - ई रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷। बुधवार को सुबह करीब 11 बजे ग्राम सदनपुर निवासी सोमपाल सिंह पुत्र लल्लू सिंह जो ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरन पोषण करता है। बुधवार को सोमपाल अपनी ई रिक्शा से नूरपुर की ओर जा रहा था जैसे ही उसकी रिक्शा नूरपुर बिजनौर खूनी हाईवे पर खासपुरा पेट्रोल पंप के पास पहुंची तो पीछे से एक तेज रफ्तार मैक्स गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे सोमपाल मय रिक्शा के खाई में जा गिरा जहां रिक्शा में दबकर सोमपाल की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर आनन फानन में परिजन भी पहुंच गए। जहां परिजनों एवं ग्रामीणों ने नूरपुर बिजनौर खूनी हाईवे पर जाम लगा दिया। मुआवजे की मांग की मौके पर पहुंचे हल्दौर थाना प्रभारी राजेश बैंसला ने परिजनों को उचित मुआवजे का आश्वासन देकर घंटों मशक्कत के बाद परिजनों को समझा-बुझाकर शांत किया ।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल पहुंचाया। मामले की तहरीर मृतक के तहेरे भाई दिनेश ने दी पुलिस ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

कावड़ यात्रा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. हलदौर ✷। पैजनियां चौकी परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में कांवड़ियों की सुरक्षित यात्रा पर जोर दिया गया। बुधवार को आयोजित बैठक में हल्दौर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार बैसला ने कावड़ यात्रा मार्ग के गांव भवानीपुर से तोहफापुर तक कांवडियों की सुरक्षित यात्रा के लिए क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील की। बैठक में थाना प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि पुलिस एवं आमजन एक दूसरे के पूरक है। जनता के सहयोग से ही पुलिस को सफलता मिलती है। इस अवसर पर खासपुरा स्थित खालसा स्कूल के प्रधानाचार्य अभिषेक सिंह कोमल, करनपुर गांवडी के ग्राम प्रधान पति शीशपाल सिंह, पैजनिया ग्राम प्रधान नंदकिशोर फौजी, आलोक त्यागी, अमित त्यागी, अंकित त्यागी, देवेंद्र त्यागी, नरेश त्यागी, ताहरपुर के प्रधान कमल कुमार, भवानीपुर के तौकीर अहमद सहित क्षेत्र के सैकड़ो गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण में पेड़ों की अहम भूमिका : चिकित्सक डॉ. अंकित सिसोदिया

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव ज्ञानचंद प्रजापति ने किया। इस दौरान परिसर में फलदार जामुन के पौधे रोपे गए। चिकित्सक डॉ. अंकित सिसोदिया ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण को समृद्ध और स्वच्छ बनाने में पेड़ों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पेड़ हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और वातावरण को शीतल व स्वच्छ बनाए रखते हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव ज्ञानचंद प्रजापति के साथ जिला उपाध्यक्ष आरेन्द्र शर्मा, चिकित्सक अंकित सिसोदिया सीएचसी,नगर अध्यक्ष अब्दुल बारी, नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. इकरार, शमशाद अहमद, एहसान शाही, अफसर अली, मोहम्मद शुऐब, महेंद्र सिंह डीलर, इरशाद अली, हाजी मोहम्मद इदरीस, हाजी खलील, मास्टर सलाउद्दीन, शफीक अहमद, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नशामुक्त भारत निर्माण के लिए किसान यूनियन अराजनैतिक की बड़ी बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगम्बर सिंह ने की। बैठक में संगठन को मजबूत करने, किसानों की समस्याएं हल करने और नशा मुक्त भारत का निर्माण करने के संबंध में विचार विमर्श किया गया और सुझाव दिए गए। बिजनौर जिला अध्यक्ष नितिन सिरोही ने संगठन को मजबूत करने के लिए विभिन्न सुझाव दिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन भी किया। तहसील अध्यक्ष कुंवर हर्षवर्धन ने भी संगठन की मजबूती पर जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगम्बर सिंह ने नशा मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों ने संकल्प लिया के वे जिंदगी में कभी किसी भी नशीली वस्तु का सेवन नहीं करेंगे। बैठक में मौजूद रहे। इनके अलावा सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान भी बैठक में शामिल हुए।

परिवार परामर्श केन्द्र ने दो परिवारों को टूटने से बचाया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में पारिवारिक समस्याओं व मतभेदों के मामलों को परिवार परामर्श केन्द्र में काउंसलरों द्वारा दोनों पक्षों को साथ बैठाकर उनकी समस्याओं को सुनकर दो जोड़ों के समझौते कराकर उनके परिवारों को टूटने से बचाया। परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक श्रीमती शिखा त्यागी, काउंसलर डॉ. राजभारती द्वारा प्रभावशाली काउंसलिंग कर दो परिवारों पूजा (परिवर्तित नाम) व चिंटू (परिवर्तित नाम), निवासी थाना चंडौस, अलीगढ़ व हरिप्रिया (परिवर्तित नाम) व सौरभ (परिवर्तित नाम), निवासी थाना गांधी पार्क, अलीगढ़ को टूटने से सफलतापूर्वक बचाया। विभिन्न पारिवारिक मतभेदों एवं घरेलू विवादों से जूझ रहे इन परिवारों को आपसी संवाद, समझदारी व परामर्श की मदद से पुनः एक सूत्र में बांधने का सराहनीय कार्य किया। इन सभी मामलों में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों से विश्तारपूर्वक वार्ता की, पारिवारिक मूल्यों की महत्ता को समझाया तथा सुलह-समझौते की दिशा में प्रभावी पहल कर उनका पारिवारिक जीवन संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

युवक को घेरकर किया जानलेवा हमला, सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई वारदात

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

देहली गेट थाना क्षेत्र के नगला मेहताब नई आबादी इलाके में युवक के ऊपर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने उसे घेर कर पीटा।

इसके बाद गर्दन पर धारदार हथियार मारकर घायल कर दिया। जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कराते हुए घायल को अस्पताल में भर्ती कराया।

वहीं यह सारी घटना इलाके में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। जिसमें आरोपी पीड़ति के ऊपर हमला करते नजर आ रहे हैं। घायल युवक के पिता ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

देहलीगेट के नगला मेहताब निवासी बबलू पुत्र ओमप्रकाश की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बबलू ने पुलिस को बताया कि 11 जुलाई को मुहल्ले में ही रहने वाले झगड़ालू मिजाज के सागर ने उनके बेटे विशाल के साथ गाली-गलौज की। बाद में देख लेने की धमकी दी।

परिवार के लोगों ने आरोपी की बात को हल्के में लिया और पुलिस को शिकायत नहीं की। इसके बाद आरोपी ने 13 जुलाई को अपने भाई विजय, पंजू और एक अज्ञात साथी के साथ विशाल को रोक लिया। आरोपियों ने विशाल के साथ मारपीट की और जान से मारने की नीयत से विशाल की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। लेकिन मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव करके उसे बचा लिया।

पीड़ित ने बताया कि घटना 13 जुलाई की है। जिसके बाद उनके बेटे का इलाज लगातार अस्पताल में चल रहा था। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उसने मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं पुलिस ने बुधवार को मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक के साथ हुई मारपीट सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जो वायरल हो रही है।

वहीं पीड़ित ने यह सीसीटीवी पुलिस को भी मुहैय्या कराया है। जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। देहलीगेट थाना प्रभारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्योहारा में तीन मंजिला इमारत दरकने से भय का माहौल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

मोहल्ला शेखान वार्ड-20 स्योहारा में एक तीन मंजिला मकान की इमारत दरकने से अफरा-तफरी मच गई। मकान की दीवारों में गहरी दरारें आ गई हैं, जिसे देखकर आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। लोग आशंका जता रहे हैं कि यह इमारत कभी भी भरभराकर गिर सकती है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व ही दिल्ली के वेलकम इलाके में चार मंजिला इमारत गिरने से छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अब स्योहारा की यह घटना भी वैसा ही बड़ा हादसा बन सकती है, यदि समय रहते कोई कार्रवाई न की गई तो कोई अप्रिय घटना घट भी घट सकती है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एहतियातन आस पास के मकानों को खाली किया जा रहा है, निकट किराने का गोदाम भी शामिल है। सुरक्षा दृष्टि से उसे भी खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट किया गया हैं।

लोग अपने घरो को छोड़ने को मजबूर हैं और प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं कि जिम्मेदार अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचकर कोई ठोस कदम उठाएं। लोगों का आरोप है कि जर्जर भवन की शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता हाजी सलीम कहना है कि उनका मकान पड़ोस में है मकान में चारों ओर दरारें आ गई हैं। नगर पालिका देवेंद्र बाबू का कहना है कि हमारे पास कोई शिकायत नहीं आई।

विधायक संजीव शर्मा ने जिला चिकित्सालय में सीसी रोड के निर्माण कार्य का उदघाटन किया

शहरवासियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का अभियान जारी रहेगा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शहर विधायक संजीव शर्मा का शहर के विकास कर उसे आदर्श शहर बनाने का अभियान जारी है। इसी कडी में उन्होंने जिला चिकित्सालय, एमएमजी अस्पताल में टीबी विभाग से शवदाह गृह तक सीसी रोड का निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

इस सीसी रोड के बन जाने से जिला चिकित्सालय, एमएमजी अस्पताल आने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों को फायदा होगा। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। ऐसी चिकित्सा सुविधाएं जो सिर्फ प्राइवेट अस्पतालों में ही होती थीं, आज प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में भी उपलब्ध कराई जा रही है। जिला चिकित्सालय, एमएमजी अस्पताल में भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का अभियान चल रहा है।

उनका यही प्रयास है कि जनता ने जिस विश्वास व भरोसे से उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना, उस पर खरा उतरते हुए वे जनता को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराएं और इसके लिए वे पूरी तरह से प्रयासरत हैं। Mla संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार अजय चोपड़ा ने बताया कि इस रोड का निर्माण जल्द पूरा कराया जाएगा।

अवैध कालोनी पर चला बुलडोजर, बिना नक्शा पास कराए बसी कालोनी

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना रोरावर क्षेत्र में अवैध रूप से बसाई जा रही एक कालोनी पर बुधवार को बुलडोजर चलाया गया। शाहपुर कुतुब इलाके में यह कॉलोनी बसाई गई थी और प्लाटिंग की जा रही थी। लेकिन कॉलोनी बसाने वालों ने एडीए से न तो इसकी स्वीकृति ली थी और न ही नक्शा पास कराया था।

जांच में मामला सामने आने के बाद अलीगढ़ विकास प्राधिकरण ने बुधवार को अवैध रूप से बसाई जा रही कालोनी को ध्वश्त करा दिया है। एडीए वीसी कुलदीप मीणा के निर्देश के बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर चलवाया। इसके साथ ही आरोपियों को निर्देश दिए गए हैं कि दुबारा ऐसा न करें।

एडीए अधिकारियों ने बताया कि मथुरा बाईपास पर गोंडा रोड के शाहपुर कुतुब इलाके में यह कॉलोनी अवैध रूप से बसाई जा रही थी। इसमें प्लाटिंग कर दी थी और आरोपियों ने लोगों से रुपए लेकर इसकी खरीद फरोख्त भी शुरू कर दी थी। प्लाट खरीदने वालों ने इसकी एडीए से जानकारी की थी। जब लोगों ने एडीए में आकर मामले की जानकारी की, तब विभाग को सारे प्रकरण की जानकारी हुई। कॉलोनाइजर को इसके लिए नोटिस भेजे गए, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं आया और न ही उन्होंने एडीए में आकर विभागीय कार्रवाई पूरी की। जिसके बाद तत्काल अवैध कालोनी को ध्वश्त कराया गया है। एडीए की जांच में सामने आया है कि मनीष बोहरे और आरपी सिंह नाम के व्यक्ति इस कॉलोनी को बसा रहे थे। बिना नक्शा पास कराए कालोनी में प्लाटिंग करना और इसकी खरीद फरोख्त करना अवैध है, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई।

एडीए के ओएसडी अतुल आनंद ने बताया कि बिना नक्शा पास कराए इस तरह से कालोनी बसाना अवैध है। फिलहाल अवैध कालोनी पर बुलडोजर चलाया गया है। दुबारा अगर ऐसा किया गया तो आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

ट्रक ड्राइवर की बेटी ने जीते दो कांस्य पदक, बनीं संघर्ष वसफलता की मिसाल

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले के ग्राम शेखा निवासी ट्रक ड्राइवर महेश पाल सिंह की बेटी कनक सिंह ने अपने जुनून व मेहनत से अंतरराष्ट्रीय श्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। युगांडा में आयोजित पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में महिला एकल एसएल-4 वर्ग एवं महिला युगल वर्ग में दो कांस्य पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि सच्ची लगन और हौसले के आगे कोई भी बाधा टिक नहीं सकती।

कनक की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कमिश्नर संगीता सिंह ने उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि यह सफलता न सिर्फ व्यक्तिगत गौरव की बात है, बल्कि पूरे प्रदेश व समाज के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा, ''बेटी कनक ने साबित किया है कि अगर सपनों में जान हो तो मंजिल खुद-ब-खुद चलकर आती है।

इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह ने भी कनक को बधाई देते हुए कहा कि कनक सिंह की कहानी न सिर्फ खेल की दुनिया में एक प्रेरणा है, बल्कि उन तमाम बेटियों के लिए भी उम्मीद की किरण है जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को साकार करना चाहती हैं। कनक सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता एवं सहायक अध्यापक प्रदीप सिंह को देते हुए उनकी अथक मेहनत, कठिन संघर्ष और सकारात्मक मार्गदर्शन से आज वह इस मुकाम तक पहुँची हैं।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर युवक की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

थाना क्षेत्र के एक गांव में खेत में बोरिंग का काम पूरा होने के बाद एक युवक जब लोहे की नाल बोरिंग से निकाल पास रख रहा था, तभी नाल का संतुलन बिगड़ गया और और युवक हादसे का शिकार हो गया।

नाल थोड़ी दूरी पर गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई और एक झटके में बिजली का तेज़ करंट उसके शरीर से होकर गुज़र गया। देखते ही देखते वह जमीन पर गिर पड़ा और फिर कभी नहीं उठा।

मृतक सोनू (35) पुत्र मुरारी जो खेतों में बोरिंग मिस्त्री के साथ मजदूरी का कार्य करके परिवार पाल रहा था। रोज की तरह वह गोपीवाला क्षेत्र में एक खेत में बोरिंग करवा रहा था। काम पूरा होने पर जब वह नाल को हटाकर अलग रख रहा था, तभी यह हादसा हो गया।

सोनू की चीख सुनकर जब लोग दौड़े, और तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसके वृद्ध पिता मुरारी बेटे का शव देखकर बेसुध हो गए। वहीं, सोनू के दो मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिनके लिए वह उनकी दुनिया था।गांव में इस खबर के बाद सन्नाटा पसरा हुआ है।

हर आंख नम है, हर दिल भारी। लोग बता रहे हैं कि सोनू बेहद मेहनती और सीधा-सादा इंसान था, जो बस अपने बच्चों के लिए दिन-रात मेहनत करता था। गांव वासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मृतक के परिवार को उचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि मासूम बच्चों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

थाना प्रभारी मृदुल कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

नगर के विकास को मंत्री ने पंचायत कार्यालय पर हुआ जोरदार स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा जी का आगमन नगर पंचायत कार्यालय झालू (जनपद बिजनौर) में हुआ। इस अवसर पर नगर पंचायत झालू के अध्यक्ष श्री लोकेंद्र चौधरी द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

स्वागत समारोह के दौरान अध्यक्ष महोदय ने मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

भगवान श्रीराम जी की प्रतिमा एवं चादर भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। मंत्री जी ने नगर में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व आमजन का अभिवादन स्वीकार करते हुए विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

नगर में कराए गए त।वर तोड़ विकास कार्य से मंत्री जी खुश नजर आए। उन्होंने युवा विकास पुरुष अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी को नगर के विकास के लिए सरकार से हर संभव मदद दिलाया जाने का भरोसा भी दिलाया।

अपने स्वागत से अभी भूत नगर विकास मंत्री एक शर्मा ने अध्यक्ष के कार्यों की प्रशंसा भी की।

इस अवसर पर नगर पंचायत झालू के कर्मचारीगण तथा सम्माननीय सभासद, स्मृति गुप्ता (जूनियर इंजीनियर), विजेंद्र सिंह पाल (अधिशासी अधिकारी), अनुज अग्रवाल (लिपिक), अनिल कुमार, सुशांत कुमार, रविंदर, घनश्याम, अनुराग जोशी, दीपक चौधरी, अरुण चौधरी, कर्मेंद्र सिंह, सुमित चौधरी, दीपक कुमार, फुरकान अहमद, काशिफ हुसैन, आदि।

भारतीय मानक एवं उपभोक्ता अधिकारों पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी श्रीमती जसजित कौर के मार्गदर्शन में आज पूर्वाहन 11:00 बजे स्थानीय विकास भवन भागार में भारतीय मानक ब्यूरो (BIS), देहरादून के सहयोग से "भारतीय मानक एवं उपभोक्ता अधिकारों" पर जिला श्तरीय संवेदीकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत BIS देहरादून के प्रमुख एवं निदेशक सौरभ तिवारी द्वारा सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भारतीय मानकों, उपभोक्ता अधिकारों, गुणवत्ता प्रबंधन और मानकीकरण से जुड़े विषयों पर विश्तृत जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि BIS के मानक केवल उत्पादों की गुणवत्ता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उपभोक्ता स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं समग्र जीवन गुणवत्ता से सीधे जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि BIS प्रमाणन से न केवल बाजार में उत्पाद की विश्वसनीयता बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ता का विश्वास भी सुदृढ़ होता है। तदोपरान्त BIS के संयुक्त निदेशक सचिन चौधरी द्वारा BIS CARE ऐप तथा BIS की वेबसाइट के माध्यम से उपभोक्ता अधिकारों, हॉलमार्किंग, प्रमाणन प्रणाली, नकली उत्पादों से बचाव एवं शिकायत समाधान प्रक्रिया पर प्रश्तुति दी गई।

उक्त कार्यक्रम में विदुर ब्रांड के स्वयं सहायता समूह (SHG) द्वारा निर्मित मसाले, खाद्य पदार्थ इत्यादि उत्पादों के संबंध में BIS प्रमाणन की आवश्यकता, प्रक्रिया और लाभ पर चर्चा की गई।

उन्होंने बताया गया कि BIS प्रमाणन से न केवल उत्पाद की विश्वसनीयता बढ़ती है।, बल्कि विपणन के नए अवसर भी प्राप्त होते हैं। इस अवसर पर उपायुक्त एनआरएल वीरेन्द्र यादव, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अमित जुरेल, सीएमओ, सीवीओ, इरीगेशन विभाग के अधिकारी, पीडब्ल्यूडी, डीपीआरओ, नगर निगम के अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, उपभोक्ता संघ के प्रतिनिधि एवं स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाएं उपस्थित रहीं।

पशु चोरों से पुलिस की मुठभेड़, दो घायल

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना इगलास क्षेत्र में पशु चोरों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई, इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की, इसमें दोनों आरोपी घायल हो गए हैं। पुलिस ने घायल आरोपियों को इगलास सीएचसी में भर्ती कराया, जहां पर उनका इलाज जारी है। दोनों आरोपियों के पास से तमंचे और कारतूस बरामद हुए। इसके साथ ही चोरी के पशु बेचकर कमाए हुए 17 हजार रुपए भी बरामद किए।

सीओ इगलास ने बताया कि इलाके में बीते दिनों पशु चोरी की गई घटनाएं हुई थी। जिसके चलते स्वाट टीम और थाने की पुलिस लगातार मामले की जांच कर रही हैं। मंगलवार की देर रात को भी पुलिस डबल नहर बंबा के पास चेकिंग कर रही थी। पुलिस को सूचना मिली कि दो आरोपी बाइक से इगलास में देखे गए हैं। जिसके बाद टीमें पूरी तरह से एलर्ट थी।

तभी दोनों आरोपी पुलिस को आते हुए दिखाई दिए तो टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की। जिसके बाद आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की।

पुलिस की फायरिंग में थाना गभाना के किन्हाई निवासी सोमवीर पुत्र राजेंद्र सुल्ला व जवां थाना क्षेत्र के दरियापुर निवासी यूनूस पुत्र गरीब खां घायल हुए हैं। दोनों का इलाज जारी है, जिसके बाद इन्हें कोर्ट में पेश करके जेल भेजा जाएगा। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की कई घटनाएं कबूल की। आरोपियों ने बताया कि वह पशु चोरी कर बेंचते थे और इससे जो भी रकम मिलती थी, उसे आपस में आधा-आधा बांट लेते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं, जिसका रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

मैरिस रोड को मिलेगी जल भराव से निज़ात नगर आयुक्त ने जानी ज़मीनी हक़ीक़त

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

शहर के सबसे व्यश्त व महत्वपूर्ण मार्गों में शुमार मैरिस रोड पर वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान अब जल्द ही देखने को मिल सकता है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बुधवार को लगभग 2 किलोमीटर का पैदल दौरा करते हुए मैरिस रोड, केला नगर, जीवनगढ़ और जाफ़री ड्रेन का स्थलीय निरीक्षण किया और रुके हुए ड्रेनेज प्रोजेक्ट को गति देने के लिए त्वरित निर्देश जारी किए। नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान सीएनडीएस, जल निगम व जलकल विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने क्षेत्रीय पार्षदों और नागरिकों से संवाद कर जलनिकासी की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली और समस्या के स्थायी समाधान पर विचार विमर्श किया।

अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा लगभग 63 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए व्यापक ड्रेनेज सिस्टम प्रोजेक्ट के तहत मैरिस रोड के पानी को केला नगर व जीवनगढ़ होते हुए जाफ़री ड्रेन से जोड़ने की योजना बनाई गई थी। प्रारंभिक प्रश्ताव सीएनडीएस द्वारा बनाया गया था, लेकिन जीवनगढ़ की तंग गलियों, बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की आपत्तियों के चलते यह कार्य वर्षों से अटका हुआ था।

एसएसपी ने की जनसुनवाई

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा पुलिस कार्यालय पर प्रतिदिन की

भाँति जनसुनवाई की गई एवं आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध त्वरित निश्तारण हेतु अधीनस्थों को दिशा-निर्देश दिये।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पीएस, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर MPS/SMU खानपान यूनिट्स के अनुबंधों के आवंटन के लिए ई–निविदा आमंत्रित किया है

ई-कैटलॉग नं.	विज्ञापन का प्रकार	रेलवे स्टेशन एवं श्रेणीवार आरक्षण	ई-नीलामी के लिए दिनांक एवं समय
CTG-AUG-01-25	बहुउद्देशीय स्टॉल व स्पेशल माइनर यूनिट (एस एम् यू)	16 बहुउद्देशीय स्टॉल व 03 स्पेशल माइनर यूनिट (एस एम् यू) दिल्ली मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर।	प्रारंभ होने का समयः 04.08.2025 को 11:00 बजे

वेबसाइट विवरण जहां ई-नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है : https://ireps.gov.in/ (E-Auction-Leasing)

सं.: 23 AC/CTG/MPS POLICY 2017 दिनांक: 16.07.2025 2155/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

अहमदाबाद प्लेन हादसा की प्रारंभिक रिपोर्ट

एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की प्रारंभिक रिपोर्ट से कुछ जवाब तो मिले हैं, लेकिन इसके कारण को लेकर अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान पश्चिमी भारत के अहमदाबाद शहर से लंदन जाते समय उड़ान भरने के एक मिनट से भी कम समय बाद एक इमारत से टकरा गया, जिससे उसमें सवार 241 लोगों और जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। एक यात्री बच गया।

हालांकि, विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का दावा है कि जाँचकर्ता बहुत ही चयनात्मक तरीके से बयान दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत, किसी हवाई दुर्घटना की जाँच करने वाले राज्य को 30 दिनों के भीतर एक प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करनी होती है। भारत के वायु दुर्घटना जाँच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा शनिवार को प्रकाशित 15-पृष्ठ का दस्तावेज इस आवश्यकता को पूरा करता है। हालाँकि एएआईबी जाँच का नेतृत्व कर रहा है, लेकिन इसमें अमेरिकी हितों का भी प्रतिनिधित्व है, क्योंकि विमान निर्माता बोइंग और इंजन निर्माता जीई एयरोस्पेस अमेरिकी हैं। यह याद रखना जरूरी है कि प्रारंभिक रिपोर्ट का उद्देश्य पूरी घटना की कोई ठोस निष्कर्ष निकालना नहीं होता। ये रिपोर्ट एक लंबी जाँच के शुरुआती चरणों में प्राप्त जानकारी को साझा करती हैं।

दुर्घटनाग्रस्त उड़ान के अपने विवरण में, एएआईबी ने कहा है कि उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद दो ईंधन कट-ऑफ स्विच रन से कट-ऑफ स्थिति में आ गए थे। इससे इंजनों का ईंधन खत्म हो गया और उनका थ्रस्ट कम हो गया। हालाँकि फ़्लाइट रिकॉर्डर के डेटा से पता चलता है कि इंजन बाद में फिर से चालू हो गए थे, लेकिन दुर्घटना को रोकने के लिए बहुत देर हो चुकी थी।

इन स्विचों का इस्तेमाल आमतौर पर उड़ान से पहले इंजन चालू करने और बाद में बंद करने के लिए ही किया जाता है। इनमें एक लॉकिंग मैकेनिज्म होता है, जिसका मतलब है कि इन्हें पलटने से पहले बाहर निकालना होगा, यह एक ऐसी प्रणाली है जिसे आकस्मिक तैनाती को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा, तुमने कट-ऑफ क्यों किया?, जबकि उसके सहयोगी ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। हालाँकि, यह बातचीत का कोई सीधा प्रतिलेख उपलब्ध नहीं कराता, जिसे कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर रिकॉर्ड कर लेता। न ही यह बताता है कि किस पायलट ने सवाल पूछा था। जाँच अधिकारी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सार्वजनिक करने के लिए भी बाध्य नहीं हैं। विमानन क्षेत्र में मानवीय हताहतों और वित्तीय नुकसान को कम करने के लिए इन दुर्घटनाओं के कारणों और विवरणों का विश्लेषण आवश्यक है।

जमीन पर, जैसे एप्रन पर, और हवा में, उपचारात्मक उपायों को लागू करने पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) सुरक्षा निरीक्षण के लिए जिम्मेदार नियामक प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है। रोज़ाना बढ़ती हवाई दुर्घटनाओं को देखते हुए, स्थापित दिशानिर्देशों के अनुसार प्रबंधन योजना और जमीनी संचालन का एक व्यापक अध्ययन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

2015 से, इन दुर्घटनाओं के मूल कारणों की जाँच के लिए एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा जारी है। भारत में हवाई परिवहन ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, साथ ही दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में भी वृद्धि हुई है।

डीजीसीए के अनुसार, दुर्घटना से तात्पर्य विमान परिचालन से संबंधित किसी भी घटना से है, दुर्घटनाओं को छोड़कर, जो सुरक्षा को प्रभावित करती है या संभावित रूप से प्रभावित कर सकती है। हाँ यह देखा गया है कि दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण उड़ान संचालन, उतरना, टेक-ऑफ, ईंधन प्रबंधन, यांत्रिक समस्या मौसम हैं जो संचालन की सुरक्षा को प्रभावित करती है या प्रभावित कर सकती है।

हवाई अड्डे का एप्रन, रैंप या टैक्सीवे, हवाई अड्डे का वह क्षेत्र होता है जहाँ विमान पार्क, उतरते, ईंधन भरते, सामान लादते या रखरखाव करते हैं। एप्रन नियमों के अधीन होता है और आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ होता है। एप्रन क्षेत्र (जिसे कभी-कभी रैंप भी कहा जाता है) हवाई अड्डा प्रबंधन और एयरलाइनों की जिम्मेदारी है। हवाई अड्डा प्रबंधन यात्रियों और मालवाहकों को हवाई यातायात सुविधाओं जैसे गेट, कार्गो पार्किंग क्षेत्र, जेटवे और ईंधन भरने की प्रणालियों तक पहुँच प्रदान करता है। एयरलाइनें हवाई अड्डा प्रबंधन से गेट पट्टे पर लेती हैं और सुविधाओं के उपयोग के अधिकार प्राप्त करती हैं। एप्रन क्षेत्र में जमीनी संचालन में कई प्रकार की सेवाएँ शामिल होती हैं। ये सेवाएँ या तो एयरलाइनों द्वारा स्वयं प्रदान की जाती हैं या उप-ठेकेदारों को आउटसोर्स की जाती हैं।

डीजीसीए की परिभाषा के अनुसार, दुर्घटना से तात्पर्य विमान संचालन से जुड़ी किसी भी दुर्घटना से नहीं है और जो संचालन की सुरक्षा को प्रभावित करती है या संभावित रूप से प्रभावित कर सकती है। हवाई क्षेत्र में होने वाली घटनाएँ हवाई अड्डे के संचालन क्षेत्रों, जैसे रनवे और रैंप ज़ोन, में होने वाली घटनाओं को संदर्भित करती हैं, जो सुरक्षा या संचालन को प्रभावित कर सकती हैं। हवाई अड्डा एप्रन, रैंप या एप्रन हवाई अड्डे के भीतर एक ऐसा क्षेत्र होता है जहाँ विमानों को पार्क किया जाता है, उड़ान भरी जाती है, ईंधन भरा जाता है, लोड किया जाता है या उनका रखरखाव किया जाता है। एप्रन नियमों के अधीन होता है और आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल होता है।

रैंप क्षेत्र (जिसे कभी-कभी एप्रन भी कहा जाता है) एयरपोर्ट प्रबंधन, एयरपोर्ट एप्रन, रैंप या टारमैक, एयरपोर्ट का वह क्षेत्र होता है जहाँ विमान पार्क किए जाते हैं, उतारे जाते हैंया चढ़ाए जाते हैं, ईंधन भरे जाते हैं, विमान में चढ़ाए जाते हैं या उनका रखरखाव किया जाता है।

एप्रन का उपयोग नियमों द्वारा कवर किया जाता है, आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ होता है। लैंडिंग गियर को उड़ान के कुछ सेकंड बाद, जब विमान ठीक से टेक ऑफ करना शुरू करता है, तब बंद कर दिया जाता है, जो कि 600 फीट से पहले होता है. रिपोर्ट दुर्घटना के कारणों के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं देती है। फिर भी, इसने काफी विवाद खड़ा कर दिया है। भी यदि दुर्घटना को जान भी गए तो क्या होगा जो होना था वो हो गया घटना घटनी थी जो अत्यंत दुःखद व भयाभव था वहीं, अहमदाबाद विमान हादसे में एक चमत्कारी घटना सामने आई है।

स्वास्थ्य बनाम स्वादः समोसा और जलेबी से सावधान!

ललित गर्ग

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुक्कड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं। हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई हैं। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरु हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिन्ताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केन्द्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदार्थों के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदार्थों के उपभोग से दूर रहा जाए।

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिन्ताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नम्बर पर है।

डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचोरी, बर्गर जैसी चीजें हैं। समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐक्रिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर देशवासियों को न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रेरित किया है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का भी आह्वान किया है। हाल ही में उन्होंने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देशवासियों से खाद्य पदार्थों में तेल की मात्रा कम करने और मोटापे जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने की अपील की है। मोदी ने इस बढ़ती स्वास्थ्य समस्या पर चिंतन करते हुए कहा हमें अपने खान-पान में बदलाव करना होगा।

कम तेल, कम नमक और कम चीनी-यही स्वास्थ्य की कुंजी है। ' मोदी का आह्वान -तेल कम करें, जीवन स्वस्थ बनाएं है। क्योंकि अति तेल में तंदुरुश्ती नहीं, बीमारी का प्रवेश द्वार है। ध्यान रहे, देश में मोटापा बढ़ रहा है और इसके खिलाफ जागरूकता भी बढ़ रही है। यह भी कहा गया है कि लोग अपने भोजन में तेल को कम करके विकसित भारत बनाने में सहायक हो सकते हैं। इसी कड़ी में समोसे, जलेबी और स्वास्थ्य के लिए घातक व्यंजनों को अगर आधिकारिक रूप से निशाने पर लिया गया है, तो अचरज की बात नहीं, बल्कि वक्त की बड़ी जरूरत है। भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है

तेल। परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गयी है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर 'तेल और चीनी के चेतावनी बोर्ड' लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे।

तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदार्थों को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरुआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेश्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेश्तरां और मिष्ठान भंडारों पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से 'जीरो ऑयल' की खानपान पद्धति के माध्यम से हृदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रश्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोज़ाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। घर में जंक फूड बंद करें, बच्चों को ताजे फल, सूखे मेवे, अंकुरित अनाज दें। रोगों से नहीं, आदतों से लड़ें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं।

पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है। कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़े होंगे और अब जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदार्थों पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा। मोदीजी के नेतृत्व में शुरू हुआ 'फिट इंडिया मूवमेंट' सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का संदेश है। यह देश को बीमारियों के बोझ से मुक्त करने की दिशा में उठाया गया क्रांतिकारी कदम है। इस आंदोलन में लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि स्वस्थ व्यक्ति ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है।

फिट इंडिया अभियान में ज्यादा ईमानदारी की जरूरत है और साथ ही, शुद्ध भोजन के लिए जिम्मेदार सरकारी महकमों को ईमानदारी से ज्यादा सचेत एवं सावधान होना पड़ेगा। आज अनेक प्रकार के विदेशी व्यंजन भी बाजारों में उपलब्ध हैं, इनमें से ज्यादातर व्यंजनों में मैदा, तेल, कृत्रिम रंग और रसायन का खतरनाक उपयोग हो रहा है। ऐसा कतई नहीं लगना चाहिए कि केवल भारतीय व्यंजनों को निशाना बनाया जा रहा है। दूसरी अहम बात, खाने और बनाने वालों, दोनों को जागना होगा। अनेक हलवाइयों की दुकानों पर एक ही तेल का बार-बार प्रयोग, खराब या गलत सामग्रियों का इश्तेमाल तत्काल रुकना चाहिए।

आज ज़रूरत है कि हम सिर्फ स्वाद के गुलाम न बनें, बल्कि अपने शरीर की सुनें। एक जिम्मेदार समाज वही है जो अगली पीढ़ी को स्वाद के नाम पर बीमारियां नहीं, स्वस्थ आदतें सौंपे। एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो स्वाद के पीछे स्वास्थ्य को त्याग रही है। यह चेतावनी नहीं, चेतना का संदेश है कि यदि अब भी नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियाँ बीमारियों से जूझती रहेंगी। तो आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि तेल कम करेंगे, चलना बढ़ाएंगे, जीवन को लंबा और स्वस्थ बनाएंगे! विशेषतः व्यापारियों, रेस्टोरेंट मालिकों एवं हलवाइयों के लिये सरकार को कड़े प्रावधान बनाने होंगे।

पैसा कमाने के चक्कर में देश के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को खुला नहीं छोड़ना चाहिए। जब दूध और पनीर की गारंटी न हो, तब हमें सोचना पड़ेगा कि केवल चेतावनी से सुधार नहीं आने वाला। गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले महकमों और अधिकारियों को युद्ध श्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा, तभी हम फिट इंडिया के ख्वाब को साकार कर पाएंगे।

डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे से खुली मध्यप्रदेश में निवेश की नई राहें

हर्षवर्धन पान्डे

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उनके विजन और निवेशकों के प्रति सरकार की पारदर्शी नीतियों ने आज मध्यप्रदेश को देश के सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में से एक बना दिया है। हाल के वर्षों में डॉ. यादव की विदेश यात्राओं और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे नवाचारों ने राज्य में निवेश की लहर को बूस्टर डोज देने का काम किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए बेहतर स्टेट बनाने के लिए 18 प्रकार की पारदर्शी औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों की बदौलत आज निवेशकों को सिंगल विंडो सिस्टम, बिजली बिलों में छूट, और जमीन आवंटन में आसानी जैसे लाभ प्राप्त हो रहे हैं। डॉ. यादव ने निवेशकों को आश्वासन दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेश करने पर उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनकी यह प्रतिबद्धता निवेशकों के बीच विश्वास जगाने में सफल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने बेहद कम समय में निवेश, रोजगार सृजन और शहरी विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी पारदर्शी नीतियां, वैश्विक मंचों पर सक्रिय भागीदारी और रोजगार व कौशल विकास पर विशेष जोर ने मध्यप्रदेश को आज भारत का सबसे प्रगतिशील राज्य बना दिया है।

निवेश के लिए उनकी लगातार हो रही विदेश यात्राएं अब राज्य की आर्थिक समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में एक नया अध्याय लिख रही हैं। डॉ. यादव का यह मिशन मध्यप्रदेश को न केवल निवेश का केंद्र बनाएगा, बल्कि इसे धार्मिक, सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में भी वैश्विक पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएं प्राप्त की हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रशताव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा इंग्लैंड, जर्मन और जापान जैसे देशों से 78 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रशताव प्राप्त हुए जो राज्य में 3 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना को दर्शाते हैं। इन निवेशों ने मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, खाद्य प्रसंस्करण, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनाने में मदद की है। हाल ही में लुधियाना में उद्योगपतियों के साथ हुए इंटरेक्टिव सेशन में मध्यप्रदेश को 15, 606 करोड़ रुपये के निवेश प्रशताव प्राप्त हुए जिससे 20, 275 से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

जहाँ एक तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है वहीँ दूसरी तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन और तकनीकी सहयोग की दृष्टि से नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

यह दौरा आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ है। डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत रहा है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं जिनमें उद्योग-अनुकूल नीतियां, रियायती भूमि आवंटन और पूंजीगत अनुदान जैसे प्रावधान शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव का दुबई दौरा भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के लिए एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में स्थापित करने में सफल साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों और व्यापारिक संगठनों के साथ उच्च-श्तरीय बैठकें की जिनमें लुलु ग्रुप, सराफ डीजी, ईसा एआई अल गुरैर ग्रुप, गल्फ इस्लामिक इन्वेस्टमेंट्स, जी42 इंडिया और टाटा संस मिडिल ईस्ट जैसी कंपनियां शामिल रही। इन बैठकों में स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश के संभावित क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), लॉजिस्टिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा पर चर्चा हुई। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क (वस्त्र), तामोट और बिलौआ में प्लास्टिक पार्क, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, पीथमपुर में ऑटो, भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक्स, और देवास में फार्मा क्लस्टर जैसे परियोजनाओं को निवेशकों के सामने प्रशतुत किया गया। गल्फ महाराष्ट्र बिजनेस फोरम और मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के साथ हुई चर्चाओं में आपसी सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार किया गया।

इसके अलावा जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ बैठक में लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया गया। दुबई में आयोजित इन्वेस्ट मध्यप्रदेश दुबई बिजनेस फोरम एंड नेटवर्किंग डिनर इस दौरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा जहाँ अपनी डिनर डिप्लोमैसी से डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश-अनुकूल नीतियों से अवगत कराया। एमपी की पर्यटन क्षेत्र में जबरदश्त ब्रांडिंग के लिए और भरपूर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक राउंडटेबल बैठक का आयोजन भी किया गया जहाँ निवेशकों ने मध्यप्रदेश के पर्यटन की प्रशंसा की।

मध्यप्रदेश सरकार ने हाल के वर्षों में निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। डॉ. यादव ने बताया कि फरवरी 2025 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रशताव प्राप्त हुए जो राज्य की आर्थिक प्रगति का एक मजबूत संकेत है। इसके अलावा रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन से भी निवेश के लिए एमपी की जबरदश्त ब्रांडिंग हुई।

दुबई दौरे के दौरान भी निवेशकों ने मध्यप्रदेश में विशेष रूचि दिखाई और कई महत्वपूर्ण निवेश प्रशताव सामने आए। दुबई दौरे में शराफ डीजी ग्रुप ने लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 30-50 मिलियन डॉलर का प्रशताव रखा जबकि कोनेरी ग्रुप ने 75 मिलियन डॉलर के स्टील प्लांट की योजना प्रशतुत की। इसके अतिरिक्त इंदौर इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क के एक कार्यक्रम में 25 से अधिक कंपनियों के सीईओ की उपस्थिति में सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रशताव दिया गया। ये निवेश न केवल आर्थिक विकास को गति देंगे, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे।

दुबई टेक्सटाइल सिटी के दौरे और टेक्समस एसोसिएशन के साथ इंटरएक्टिव सत्र में डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के वस्त्र उद्योग की क्षमताओं को प्रशतुत किया। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क और अन्य टेक्सटाइल क्लस्टरों को बढ़ावा देने की योजनाओं पर जोर दिया गया। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में यूएई की विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश की परियोजनाओं के साथ जोड़ने की संभावनाएं तलाशी गई। ग्रू एनर्जी और जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ हुई चर्चाओं में सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ.यादव ने दुबई टेक्सटाइल सिटी में टेक्समस एसोसिएशन परिसर का दौरा किया और वस्त्र उत्पादन तथा निर्यात गतिविधियों का भी अवलोकन किया। इस दौरान एक इंटरएक्टिव सत्र और नेटवर्किंग लंच में मध्यप्रदेश के टेक्सटाइल सेक्टर की क्षमताओं और पीएम मित्रा पार्क जैसी योजनाओं को प्रशतुत किया गया। इसके अतिरिक्त ग्रू एनर्जी जैसी अग्रणी ग्रीन एनर्जी कंपनी के साथ बैठक में सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं पर मध्यप्रदेश की प्राथमिकताओं को साझा किया गया।

डॉ. यादव ने यूएई के विदेश व्यापार मामलों के मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल ज़ियोदी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की जिसमें भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। भारत-यूएई सीईपीए (कम्प्रिहेंसिव इकोनॉमि पार्टनरशिप एग्रीमेंट) के तहत मध्यप्रदेश को निवेश और व्यापार के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन के रूप में प्रश्तुत किया गया। इस बैठक में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत मध्यप्रदेश की भूमिका पर चर्चा हुई।

डॉ. यादव ने सौर ऊर्जा, स्मार्ट ऑटोमेशन, एम्बेडेड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्री 4.0 जैसे क्षेत्रों में यूएई की विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त, एमिरेट्स एयरलाइंस और दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी के साथ हुई बैठकों में इंदौर और भोपाल से डायरेक्ट फ्लाइट्स और रीजनल कार्गो हब की स्थापना जैसे प्रशतावों पर सहमति बनी।

डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा केवल आर्थिक और औद्योगिक पहलुओं तक सीमित नहीं रहा। डॉ. यादव ने दुबई में प्रवासी भारतीय समुदाय और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ भी संवाद किया जिसमें मध्यप्रदेश के पर्यटन की वैश्विक मंच पर ब्रांडिंग की गई। दुबई दौरे के दौरान उज्जैन, खजुराहो और सांची जैसे पर्यटन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय श्तर पर प्रचारित करने की दिशा में सरकार ने कोई कोर- कसर नहीं छोड़ी। डॉ. यादव ने दुबई में रह रहे मध्यप्रदेश मूल के प्रवासी भारतीयों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ संवाद किया। होटल अटलांटिस में आयोजित ब्रांड मध्यप्रदेश कार्यक्रम में राज्य की उपलब्धियों और विविधता को दर्शाने वाली लघु फिल्म और थीम प्रदर्शनी ने निवेशकों और प्रवासी भारतीयों का ध्यान आकर्षित किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने राज्य की औद्योगिक नीतियों, बुनियादी ढांचे, और जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रवासी भारतीयों को मध्यप्रदेश के विकास से जोड़ने के लिए विशेष अवसरों और योजनाओं पर प्रकाश डाला गया।

दुबई दौरे के दौरान कई कंपनियों ने मध्यप्रदेश में निवेश के लिए ठोस प्रशताव दिए। शराफ डीजी ग्रुप ने लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए \$30-50 मिलियन का निवेश प्रशताव रखा। कोनेरी ग्रुप ने 75 मिलियन डॉलर के स्टील प्लांट की स्थापना का प्रशताव दिया। बीडीओ ईजी ने भोपाल में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और इंदौर में डिजिटल सेंटर की स्थापना की घोषणा की जिससे हजारों नौकरियां सृजित होंगी। इंदौर इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क के साथ सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ के निवेश का प्रशताव दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को मजबूत किया। प्रशतावों के माध्यम से हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश के लिए एक फायदे का सौदा साबित हुआ है। दुबई दौरे ने न केवल वैश्विक निवेशकों के साथ संबंधों को मजबूत किया है बल्कि प्रदेश की औद्योगिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षमताओं को भी वैश्विक श्तर पर प्रदर्शित किया है। मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों को वैश्विक मंच पर प्रश्तुत करने से अब विदेशी पर्यटकों की संख्या में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है। पीएम मित्रा पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क और फार्मा क्लस्टर जैसे परियोजनाओं के लिए निवेश से मध्यप्रदेश में औद्योगिक बुनियादी ढांचा मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश के लिए एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। इस यात्रा ने न केवल निवेशकों का विश्वास जीता, बल्कि मध्यप्रदेश को एक वैश्विक निवेश गंतव्य स्थल के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से अपने कदम बढ़ाए हैं। टेक्सटाइल उद्योग, पर्यटन, ग्रीन एनर्जी और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं के साथ मध्यप्रदेश अब भारत की आर्थिक प्रगति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है जो देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को ग्लोबल निवेश और विकास के नए युग में ले जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

इस 'एक्ट' को भी कोई नाम दीजिये जनाब?

निर्मल रानी

याद कीजिए 31 मार्च, 2016 को राज्य में हो रहे चुनावी दंगल के बीच कोलकाता में विवेकानंद फ़्लाईओवर गिरने की घटना और उसके बाद इस हादसे पर हुई ज़बरदश्त राजनैतिक बयानबाज़ी को।

इस हादसे को लेकर बंगाल की ममता सरकार पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने ज़बरदश्त हमला बोला था। उस हादसे में 25 लोग मारे गये थे। पुल निर्माता कम्पनी ने इस हादसे को दैवीय कृत्य बताकर हादसे के कारण पर पर्दा डालने की कोशिश की थी। परन्तु उसी दौरान बंगाल में अपनी चुनावी सभाओं में इस हादसे को ज़ोरदार चुनावी मुद्दा बनाते हुये तरह तरह की बातें की थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 'मौत की राजनीति' करने का आरोप लगाया था। मोदी ने कहा था कि 'कोलकाता में हुआ फ़्लाई ओवर हादसा 'दैविक संदेश' है कि लोग बंगाल को तृणमूल कांग्रेस से बचाएं। यह एक्ट ऑफ़ गॉड नहीं एक्ट ऑफ़ फ़्रॉड है। ' प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था कि 'वामपंथ और दक्षिणपंथ को भूल जाइए, उनके बारे में चिंता कीजिए जो मर रहे हैं। कम से कम मृतकों को तो सम्मान दीजिए। लेकिन दीदी को मरते लोग नहीं, कुर्सी दिखाई पड़ती है'। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि 'उनकी(ममता) बेशर्मी तो देखिए। यह एक बड़ा हादसा था, लेकिन उन्होंने आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू कर दिया। उन्होंने यहां तक कह दिया कि ठेका पिछली वाम मोर्चा की सरकार के शासनकाल में दिया गया था। मैं दीदी से यह बात पूछना चाहता हूं कि पुल निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसके उद्घाटन के वक़्त उन्होंने क्या यह बात कही कि इसका ठेका वाम मोर्चे की सरकार ने दिया था? नहीं, आपने इसका श्रेय लिया। अब चूंकि यह गिर चुका है, इसलिए आप दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं। यह आपकी 'पैसे और मौत की राजनीति' का एक हिस्सा है। ' उसी समय मोदी ने बड़े गर्व से यह भी फ़रमाया था कि 'जिस राज्य में भाजपा की सरकार है, वहां चौतरफ़ा विकास हो रहा है। आपने बंगाल में वाम और तृणमूल को बहुत देखा और दोनों ने बंगाल को बर्बाद करने के लिए सब कुछ किया। भाजपा को एक मौक़ा दीजिए और हम आपको दिखाएंगे कि विकास का मतलब क्या होता है।

परन्तु इत्तेफ़ाक़ से मोदी के इस भाषण के बाद ही भाजपा शासित राज्यों के कथित 'विकास मॉडल' की जो पोल खुलनी शुरू हुई वह परत दर परत खुलती ही जा रही है। ख़ासकर भाजपा शासित उस गुजरात राज्य की जिस के विकास मॉडल का नाम पर 2013 से लेकर देश को ठगा जा रहा था।

परन्तु एक के बाद एक कई बड़े हादसे होने के बाद अब गुजरात मॉडल का नाम लेना कम हो गया है। अन्य भाजपा शासित राज्यों की तो बात ही छोड़यि केवल गुजरात में ही हाल के वर्षों में कई पुल टूटने की घटनाएँ सामने आई हैं। इनमें अभी ताज़ातरीन घटना महिसागर नदी पर बने वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाले गंभीरा ब्रिज के ढह जाने की हुई। गत 9 जुलाई को यह विशाल एवं व्यश्त पुल ढह गया जिसके चलते 5 वाहन नदी में गिर गये। इस हादसे में 17 लोगों की मौत की ख़बर है जबकि कई लोग अभी भी लापता बताये जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि रखरखाव के अभाव के चलते यह व्यश्त पुल जर्जर होता जा रहा था जो सरकार की अनदेखी के कारण एक बड़े हादसे की नौबत तक आ पहुंचा।

इसी 'मॉडल राज्य' में 30 अक्टूबर 2022 को मोरबी केबल ब्रिज हादसा हुआ था जबकि मच्छू नदी पर बना सस्पेंशन ब्रिज टूट गया था। 7 महीने के नवीनीकरण के बाद पर्यटकों हेतु यह पुल खोला गया था।

इस सस्पेंशन ब्रिज टूटने के हादसे के समय पुल पर 300 से अधिक लोग मौजूद थे, जो इसकी क्षमता से ज़्यादा थे। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हुई थी और 56 लोग घायल हुए थे। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहत कार्यों का निर्देश दिया था और मृतकों के लिये 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। इसी तरह गुजरात में ही 24 सितंबर 2023 को सुरेंद्रनगर ब्रिज हादसा हुआ था जबकि सुरेंद्रनगर, राष्ट्रीय राजमार्ग को चूड़ा से जोड़ने वाला 40 साल पुराना पुल टूट गया था। इस हादसे में एक ट्रक सहित कई वाहन नदी में गिर गये थे।

यह पुल भी जर्जर संरचना और भारी वाहनों के दबाव के चलते ध्वश्त हुआ था। इसी तरह बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए निर्माणाधीन एक पुल वासद, आणंद में टूट गया। 5 नवंबर 2024 को हुये इस हादसे में 3 मज़दूरों की मौत हुई थी। इस हादसे का कारण भी निर्माण में ख़ामियों की संभावना बताई गए थी। इसी तरह 24 जनवरी 2020 को मेहसाणा में खारी नदी पर बना पुल टूट गया था तो 21 दिसंबर 2021 को अहमदाबाद में मुमतपुरा पुल का एक भाग टूट गया। जबकि जून 2025 में बोटाद में पाटलिया नदी पर बना पुल बारिश के कारण क्षतिग्रश्त हो गया था।

सवाल यह है कि 'मॉडल राज्य गुजरात ' में होने वाले ऐसे हादसे क्या भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम नहीं? निश्चित रूप से गुजरात में पुल टूटने की इस तरह की घटनाएँ संरचनात्मक सुरक्षा और रखरखाव की कमी को उजागर करती हैं। और बार-बार होने वाले ऐसे हादसों से जनता में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है।

इसी तरह उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश या राजस्थान इन सभी भाजपा शासित राज्यों में कहीं निर्माणाधीन सड़कें बह रही हैं कहीं उद्घाटन से पूर्व कोई प्रोजेक्ट धराशायी हुआ जा रहा है। यद् कीजिये महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग ज़िले के मालवन में स्थित राजकोट क़िले में केवल आठ माह पूर्व छत्रपति शिवाजी महाराज की जिस 35 फ़ुट ऊँची मूर्ति का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों गया था वह प्रतिमा 26 अगश्त 24 को ताश के पत्तों की तरह ढह गयी। उस समय चुनावी बेला में समय को भांपते हुये शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा ढहने के मामले पर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छत्रपति शिवाजी से माफ़ी मांगने के लिये सार्वजनिक रूप से सामने आना पड़ा था। उस समय मोदी ने कहा था कि "छत्रपति शिवाजी महाराज न केवल हमारे लिए एक महान व्यक्ति हैं, बल्कि वह हमारे आदर्श हैं। मैं उस मूर्ति के चरणों में झुक रहा हूं और अब उनसे सिर झुकाकर माफ़ी मांग रहा हूं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

19 जुलाई को काशी आएंगे गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, रुद्राक्ष में आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

वाराणसी, एजेंसी। खेल व युवा मंत्रालय की ओर से 19 जुलाई को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में नशा मुक्ति अभियान पर विशेष कार्यक्रम कराया जा रहे हैं। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय शामिल होंगे।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल राज्यमंत्री निखिल खडसे भी आएंगे। प्रशासनिक अधिकारियों ने मुताबिक, केंद्रीय मंत्रियों के आने की जानकारी मिल गई है। जल्द ही प्रोटोकॉल आ सकता है।

संगम तट पर राधा-कृष्ण मंदिर की छत टूटकर गिरी, बाल-बाल बचे पुजारी

प्रयागराज, एजेंसी। संगम तट पर लेटे हुए हनुमान मंदिर के पास बांध पर बने राधाकृष्ण गोपाल मंदिर में जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय की कहावत चरित्रार्थ हुई है। दरअसल, लक्ष्मी नारायण मंदिर की तीसरी मंजिल गुरु पूर्णिमा की रात करीब 2.30 बजे गिर गई थी। इससे राधा कृष्ण गोपाल मंदिर की छत टूट गई। इस दौरान मंदिर के पुजारी विष्णु दास त्यागी फंस गए थे। छत टूटकर उनके ऊपर गिर गई थी, लेकिन लोहे के एंगल ने गिरी छत को रोक रखा था। ऐसे में मध्य प्रदेश से आए कुछ श्रद्धालुओं ने पैर पकड़कर उन्हें धीरे-धीरे घसीटते हुए बाहर निकाला। सभी पुजारी विष्णु दास त्यागी को बाल-बाल बचने को भगवान की कृपा मान रहे हैं। ता दें कि पुजारी विष्णु दास ही राधा कृष्ण और लड्डू गोपाल की नियमित आरती और भोग पूजा नियमित करते हैं। मंदिर के महंत लक्ष्मण दास जी महाराज ने बताया कि मंदिर का जीर्णोद्धार मध्य प्रदेश के उमरिया जिले की गोपाला माई ने कराया था। मंदिर अब पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि छावनी परिषद के अधिकारी मंदिर के जीर्णोद्धार के कार्य को आकर रोक जाते हैं। महाकुंभ के समय लक्ष्मी नारायण मंदिर की तीसरी मंजिल पर टावर लगाया गया था, जिससे छत कमजोर हुई और राधा कृष्ण मंदिर पर गिर गई। दूसरी मंजिल के भी गिरने की आशंका बनी रहती है, लेकिन छावनी परिषद कुछ नहीं कर रहा है।

दुनिया के सबसे एडवांस कैमरों से होगी विधानसभा में विधायकों की निगरानी

लखनऊ , एजेंसी। यूपी विधानसभा जल्द ही दुनिया के सबसे एडवांस कैमरों से लैस होगी। ये कैमरे न केवल चेहरों की पहचान करेंगे बल्कि एक-एक विधायक के क्रियाकलापों की निगरानी भी रखेंगे। इन कैमरों की खासियत दर्जनों की भीड़ में भी चेहरे पहचानने, उनके कामकाज से लेकर गतिविधियों की ऑटोमेटिक रिपोर्ट तैयार करने की होगी।

इस काम के लिए विधानसभा सचिवालय ने ई टेंडर जारी किया है। इसके फाइनल होने के 45 दिन के अंदर कैमरे लगाने होंगे। विधानसभा के बजट सत्र में अध्यक्ष सतीश महाना ने इस पहल की जानकारी दी थी। उम्मीद की जा रही है कि शीतकालीन सत्र नए एआई सिस्टम की निगरानी में होगा।

विधानसभा के चप्पे-चप्पे को एआई आधारित चेहरा पहचानने के सिस्टम में वीडियो, फोटो और आवाज रिकॉर्ड करने की तकनीक होगी। इस सिस्टम में चेहरा देखकर व्यक्ति की नाम के साथ गणना, समय और तारीख भी प्राप्त की जा सकेगी। विधानसभा क्राउड एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर के दायरे में भी रहेगी। इसके तहत भीड़ में एक-एक चेहरे को पहचानकर उनका नाम सहित रिकॉर्ड सेकेंडों में देखा जा सकेगा। सिस्टम छिपे या अधखुले चेहरों को भी पहचान लेगा। इतना ही नहीं अलग-अलग रंग-रूप में ढले एक व्यक्ति को भी पकड़ लेगा। चाहे इसमें दाढ़ी, मूंछ, चश्मा, हेयरस्टाइल सहित अन्य बदलाव होंगे। काली सूची में दर्ज नाम और चेहरों को पहचान कर अलर्ट करने की तकनीक भी नए सिस्टम में होगी। डीप लर्निंग डाटा के जरिये सभी विधायकों का पूरा ब्योरा सिस्टम में दर्ज होगा।

आखिरी नेहरू भवन आने से क्यों कतराते हैं राहुल-प्रियंका, 2019 से नहीं गए पार्टी कार्यालय

लखनऊ , एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की प्रदेश महासचिव प्रियंका गांधी की नेहरू भवन से कई वर्षों से दूरी बनी हुई है। यह कार्यकर्ताओं को खल रही है। इसके अलग- अलग निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। मंगलवार को लखनऊ पहुंचे राहुल गांधी कोर्ट से ही लौट गए। वह बुधवार शाम को फिर रायबरेली पहुंचेंगे और बृहस्पतिवार को विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे, लेकिन प्रदेश मुख्यालय यानी नेहरू भवन नहीं आएंगे। इससे पार्टी के तमाम नेताओं में मायूसी है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान लखनऊ आए।

वे कुछ पल के लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय (नेहरू भवन) पहुंचे। यहां मीडिया सेंटर का लोकार्पण किया और पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए नए सिरे से तैयार रहने का आह्वान किया। पार्टी के नए और पुराने नेताओं में उम्मीद जगी। लेकिन वे फिर नेहरू भवन लौट कर नहीं आएं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पदयात्रा के दौरान भी वह अमेठी, रायबरेली होते हुए लखनऊ पहुंचे, लेकिन नेहरू भवन से दूरी बनी रही। रायबरेली से सांसद बनने के बाद वह लगातार लखनऊ से होते हुए रायबरेली जाते हैं। मंगलवार को लखनऊ कोर्ट भी पहुंचे, लेकिन नेहरू भवन से दूरी बनी हुई है।

पार्टी की प्रदेश महासचिव प्रियंका गांधी की भी नेहरू भवन से दूरी हैं। उनकी यह दूरी तमाम नेताओं को कष्ट पहुंचा रही है। वह प्रदेश प्रभारी बनीं तो कांग्रेस में उत्साह बढ़ा। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश में मौजूद रहीं।

पार्टी कार्यालय से लेकर गोंडा, अयोध्या सहित विभिन्न स्थानों पर जनसभा की, लेकिन कार्यकर्ताओं का यह उत्साह माकूल चुनाव परिणाम नहीं दे पाया। आखिरकार फरवरी 2022 के बाद से वह भी नेहरू भवन को बेगाना कर दी हैं। जुलाई 2022 में लखनऊ आईं जरूर, लेकिन नेहरू भवन नहीं गईं। वह रायबरेली में कई- कई दिन रहीं। राहुल और प्रियंका गांधी का रायबरेली आवागमन वायां लखनऊ ही रहा, फिर भी प्रदेश मुख्यालय उनका इंतजार कर रहा है। इस मुद्दे पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अलग तर्क देते हैं। वह कहते हैं कि पूरी तैयारी के साथ राहुल गांधी का कार्यक्रम लिया जाएगा और फिर उन्हें प्रदेश मुख्यलाय बुलाया जाएगा। दूसरी तरफ पार्टी से जुड़े तमाम नेताओं को मलाल है। राहुल- प्रियंका कुछ पल के लिए प्रदेश मुख्यालय में आते और पार्टी के पुराने- नए कार्यकर्ताओं से रूबरू होते तो इसके सियासी फायदे मिलने तय हैं। पार्टी के नेता खुलकर इस मुद्दे पर बोलने को तैयार नहीं हैं, लेकिन कुरेदरे ही उनका दर्द सामने आ जाता है। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक वरिष्ठ नेता ने यहां तक कहा कि पार्टी के शीर्ष पद पर बैठे नेता यह नहीं चाहते कि शीर्ष नेतृत्व से अन्य पदाधिकारी रूबरू हों। इस वजह से भी कभी दोनों शीर्ष नेताओं को बुलाने की जरूरत ही नहीं समझी गई। यही वजह है कि तमाम प्रयास के बाद भी कार्यकर्ताओं में उस तरह की एनर्जी नहीं बन पा रही है, जिसकी जरूरत है।

राहुल गांधी का पार्टी नेताओं ने किया स्वागत

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्र मोना, मुकेश सिंह, अंशु अवस्थी आदि मौजूद रहे। यहां से सभी पदाधिकारी व सांसद व पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ राहुल गांधी लखनऊ कोर्ट पहुंचे। यहां कोर्ट में पेश होने के बाद वह दिल्ली लौट गए। उनके साथ प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष भी दिल्ली गए हैं।

सात साल बाद एलटी ग्रेड शिक्षक के 7466 पदों पर होगी भर्ती

प्रयागराज , एजेंसी। सात वर्ष के लंबे इंतजार के बाद राजकीय विद्यालयों में एलटी ग्रेड शिक्षक (सहायक अध्यापक) के 7466 पदों पर भर्ती के लिए 28 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। इससे पहले मार्च, 2018 में पिछली भर्ती का आया था।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के सचिव अशोक कुमार के अनुसार, ऑनलाइन परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने एवं ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 28 अगस्त है। आवेदन में सुधार/संशोधन और शुल्क समाधान की अंतिम तिथि चार सितंबर तय की गई है।

पंद्रह विषयों में एलटी ग्रेड शिक्षक के 7466 पदों में से पुरुष वर्ग के 4860, महिला वर्ग के 2525 और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के तहत 81 पद शामिल हैं। पदों की संख्या परिस्थितियों एवं आवश्यकतानुसार घट-बढ़ सकती है। परीक्षा का विस्तृत 28 जुलाई से आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा। इसमें ऑनलाइन आवेदन करने व शुल्क जमा करने की प्रक्रिया, परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम, जाति प्रमाणपत्रों का प्रोफॉर्मा, आरक्षण व आयु में छूट के संबंध में निर्धारित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश उपलब्ध रहेंगे।

चयन के लिए अभ्यर्थियों को एक जुलाई 2025 को 21 वर्ष की आयु अवश्य पूरी करनी चाहिए और उन्हें 40 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होना चाहिए। यानी उनका जन्म दो जुलाई 1985 से पूर्व और एक जुलाई 2004 के बाद का नहीं होना चाहिए।

पहली बार प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा के माध्यम से होगा चयन: एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती पहली बार प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा के माध्यम से होगी। इससे पहले आयोग ने मार्च, 2018 में इस भर्ती का जारी किया था और चयन प्रक्रिया एकल परीक्षा के माध्यम से पूरी की थी, जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रकार के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए थे। एकल परीक्षा में अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के आधार पर चयनितों की मेरिट बनाई गई थी। अब वस्तुनिष्ठ प्रकार की बहुविकल्पीय प्रश्न की प्रारंभिक परीक्षा अभ्यर्थियों की छंटनी के लिए होगी।

आयोग की सलाह, ओटीआर की प्रक्रिया पूरी कर लें अभ्यर्थी: आयोग के सचिव ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की प्रक्रिया पूरी कर लें, क्योंकि ओटीआर आधारित आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। बिना ओटीआर नंबर के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

इससे पहले 10 हजार से अधिक पदों पर हुई थी भर्ती: आयोग ने पिछला मार्च, 2018 में 15 विषयों में एलटी ग्रेड शिक्षक के 10768 पदों पर भर्ती के लिए जारी किया था। हालांकि, कई विषयों में अर्हता का विवाद होने के कारण इस भर्ती की चयन प्रक्रिया काफी देर से पूरी हुई।

अर्हता और आरक्षण के निर्धारण के बाद दूर हुई बाधा: एलटी ग्रेड शिक्षक के पदों पर नई भर्ती शुरू करने में समकक्ष अर्हता व आरक्षण का पेच फंसा था। अर्हता संबंधी नई नियमावली जारी होने के बाद उसमें से समकक्ष शब्द को हटा दिया गया। ऐसे में अर्हता का विवाद तो दूर हो गया, लेकिन विषयवार आरक्षण निर्धारित न होने के कारण आयोग ने पूर्व में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से भेजा गया अधियाचन वापस कर दिया था। निदेशालय की ओर से विषयवार आरक्षण का निर्धारण करने के बाद दोबारा अधियाचन भेजे जाने पर आयोग ने अब नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है।

पेट पर बैठ दबाया गला...नाक से बहने लगा खून, फिर भी न पसीजा दिल; मां ने प्रेमी संग मासूम बेटी को मारा

लखनऊ , एजेंसी। यूपी की लखनऊ में प्यार में अंधी मां ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर घर पर ही छह साल की बेटी सोना की गला दबाकर निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद प्रेमी के साथ घर में ही शव के सामने पार्टी भी की। 36 घंटे तक मामले को दबाए रखा और हत्या में पति शाहरूख को फंसाकर जेल पहुंचाने की साजिश रचती रही। रोशनी ने सोमवार रात तीन बजे पुलिस को बेटी की हत्या की सूचना दी। पुलिस ने पहुंचकर छानबीन की, सबूत खंगाले और पूछताछ की तो राज खुला। मां रोशनी खान और प्रेमी उदित जायसवाल ने हत्या की बात कबूल कर ली। पुलिस ने रोशनी और उदित को गिरफ्तार कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी 36 घंटे पहले हत्या की पुष्टि हुई है।

छह साल की बेटी के पेट पर चढ़कर दबाया गला: छानबीन में सामने आया है कि रोशनी कई माह से पति को फंसाने के लिए बेटी की हत्या की साजिश रच रही थी। वह शाहरूख के घर आने का इंतजार कर रही थी। शाहरूख के घर से जाने के बाद रोशनी घर में सो रही बेटी के पेट पर चढ़ बैठी। इससे सोना की अचानक चीख निकल पड़ी। सोना के नाक से खून बहने लगा। इसके बावजूद रोशनी का दिल नहीं पसीजा। आरोपियों ने सोना की गला कसकर हत्या कर दी।

दिल दहलाने वाली यह वारदात कैसरबाग के खंदारी बाजार में हुई। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के मुताबिक सोमवार देर रात रोशनी ने पुलिस को फोन कर बताया कि पति ने बेटी सोना की हत्या कर दी है। फोरेंसिक टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। रोशनी की तहरीर पर पति शाहरूख के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर छानबीन शुरू की गई।

प्रेमी के साथ लिव इन में रह रही थी रोशनी: पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रोशनी की उसके पति से पिछले दो साल से अनबन है। रोशनी प्रेमी के साथ लिव-इन में रह रही है। सोमवार रात को शाहरूख बेटी से मिलने आया था। इसी दौरान पति पत्नी में विवाद हो गया। झगड़े के बाद शाहरूख चला गया। पूछताछ में शाहरुख ने पुलिस को रात का घटनाक्रम बताया। पुलिस ने शाहरूख की लोकेशन निकलवाने के बाद शक पर रोशनी और उदित से पूछताछ की। रोशनी लगातार अपने बयान बदलती रही। पुलिस ने सख्ती की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

इंस्पेक्टर कैसरबाग अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि सबूतों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उधर, पुलिस की पूछताछ में रोशनी ने बताया कि वह शाहरूख को जेल भिजवाना चाहती थी। इसके लिए उसने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी।

ननदों को भी जेल भिजवा चुकी है रोशनी: कैसरबाग के खंदारी बाजार में घर पर बेटी सोना की गला दबाकर हत्या करने वाली रोशनी अपने जेठ सलमान, सास परवीन और दो ननदों रुखसार और रूमी के खिलाफ अलग-अलग मामलों में केस दर्ज कराकर सभी को जेल भिजवा चुकी है। इसके बाद रोशनी ने मई माह में पति शाहरूख के साथ मारपीट की और उसको उसी के घर से बाहर कर दिया। रोशनी ने खंदारी बाजार स्थित शाहरूख के चौथे फ्लोर पर बने फ्लैट पर कब्जा जमा लिया और उदित के साथ उसी में रहने लगी। परेशान होकर शाहरूख ने 18 मई को रोशनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद से रोशनी किसी भी हाल में शाहरूख को भी जेल भिजवाना चाहती थी। शाहरूख फ्लैट से अलग किराए के कमरे में रहता है।

बिल्डर के साथ मिलकर बनवाया था अपार्टमेंट: शाहरूख ने बताया कि उनकी मां ने प्लॉट पर बिल्डर के साथ एग्रीमेंट कर चार तल का अपार्टमेंट बनवाया था। पहले और चौथे तल पर उन लोगों का परिवार रहता था। दूसरे और तीसरे तल पर बने फ्लैट को बेच दिया गया था।

आरोप है कि शुरू से ही रोशनी की नजर शाहरूख की संपत्ति पर थी। यही वजह है कि उसने पूरे परिवार को वहां से हटने पर मजबूर कर दिया था। पुलिस का कहना है कि कई पहलुओं पर मामले की छानबीन की जा रही है।

अगस्त में काशी आ सकते हैं पीएम मोदी, जनसभा स्थल की तलाश शुरू

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगस्त के पहले सप्ताह काशी आ सकते हैं। इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। आला अफसर प्रस्तावित जनसभा और लोकार्पण-शिलान्यास स्थल तलाशने में जुट गए हैं। बारिश में ग्रामीण क्षेत्रों में जनसभा नहीं हो पाएगी, इसलिए शहरी क्षेत्र में स्थल की तलाश की जा रही है।

इसी सिलसिले में मंगलवार को जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार व पुलिस अफसरों ने सेवापुरी इलाके के एक इंटर और डिग्री कॉलेज का मैदान देखा है। हालांकि दौरे की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। हर तीन से चार महीने में पीएम आते हैं। 12 जुलाई को तीन महीने पूरे हो गए हैं।

7.95 करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले में रिटायर्ड पीसीएस गिरफ्तार, 91200 की जगह 2.30 लाख का किया भुगतान

लखनऊ , एजेंसी। 7.95 करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले में समाज कल्याण विभाग के पूर्व निदेशक मिश्रीलाल पासवान को महानगर इलाके से गिरफ्तार किया गया है। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने यह कार्रवाई रुड़की की गुरु नानक एजूकेशन ट्रस्ट को नियम विरुद्ध छात्रवृत्ति देने के मामले में की है।

वर्ष 2010 से 2012 के बीच हुए इस घोटाले में ईओडब्ल्यू की ओर से यह पहली गिरफ्तारी है। पीसीएस अधिकारी मिश्रीलाल वर्ष 2014 में सेवानिवृत्त हो गए थे। 2010 से 2012 के बीच समाज कल्याण निदेशालय में तैनात निदेशक मिश्रीलाल और अन्य कार्मिकों ने गुरु नानक एजूकेशन ट्रस्ट के तत्कालीन ट्रस्टी के साथ मिलीभगत कर छात्रवृत्ति घोटाला किया था। पीजीडीएम कर रहे 336 छात्रों को निर्धारित राशि से अधिक छात्रवृत्ति दी थी। ट्रस्ट द्वारा कई छात्रों का फर्जी प्रवेश दिखाकर छात्रवृत्ति ली गई। इस संबंध में 2019 को थाना एसआईटी, लखनऊ में 6 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

छात्रवृत्ति घोटाले में शासन के निर्देश पर एसआईटी ने केस दर्ज किया था, जिसमें तत्कालीन समाज कल्याण निदेशक मिश्रीलाल पासवान के साथ तत्कालीन पटल सहायक शिक्षा अनुभाग धर्मेंद्र सिंह, अधीक्षक शिक्षा अनुभाग डीके गुप्ता व अनिल उपाध्याय (अब मृत), योजना अधिकारी डॉ. मंजूश्री श्रीवास्तव व गुरुनानक एजूकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी गुरु सिमरन सिंह चड्ढा को नामजद किया था। जांच में सामने आया था कि ट्रस्ट में पढ़ रहे अनुसूचित जाति के यूपी के मूल निवासी छात्र-छात्राओं के लिए अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि वर्ष 2010-11 व वर्ष 2011-12 में समाज कल्याण निदेशालय से ली गई थी।

छांगुर: नेपाल सीमा से सटे गांवों में खोलना चाहता था धर्मांतरण के अड्डे, इस्लामिक मूवमेंट के लिए तैयार की थी टीम

बलरामपुर , एजेंसी। धर्मांतरण व देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार छांगुर नेपाल से सटे गांवों में धर्मांतरण का अड्डा स्थापित करने में जुटा था। इसके लिए उसने टीम तैयार की थी। यहीं से वह नेपाल में पैठ बनाने के प्रयास में था। इसके लिए 46 गांवों के युवाओं पर उसकी नजर थी। तकरीर के बहाने वह जलसों में परचे बांटकर यह जानने की कोशिश करता था कि सीमावर्ती युवाओं की सोच कैसी है। जिहाद के प्रति उनका नजरिया कैसा है।

चिह्नित युवाओं को छांगुर धन देकर मजबूत बनाना चाहता था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार सीमा पर इस्लामिक मूवमेंट के लिए करीब 10 करोड़ की रकम खर्च करने की तैयारी थी। देश विरोधी यह षड्यंत्र सफल होता उससे पहले छांगुर की असलियत सामने आ गई।

यह अलग बात है कि अगस्त 2024 में छांगुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के

आठ महीने तक बस जांच ही होती रही। कार्रवाई में तेजी मार्च के बाद ही आई। अप्रैल में बेटे के साथ सहयोगी नवीन रोहरा की गिरफ्तारी के बाद से छांगुर से लोग कन्नी काटने लगे थे। एटीएस अभी छांगुर से पूछताछ कर रही है। रिमांड कस्टडी में अभी दो दिन शेष है।

छांगुर के करीबियों की तेजी से बढ़ रही थी संपत्ति: वर्ष 2015 में छांगुर एक पुरानी बाइक से अंगूठी और नग बेचने का काम करता था। 2020 के बाद उसकी संपत्तियां बढ़नी शुरू हुईं। देखते ही देखते वह लग्जरी वाहनों से चलने लगा और 2022 तक तो उसकी ठसक इस कदर थी कि क्षेत्र के बड़े-बड़े लोग भौचक रहते थे। वाहनों के साथ ही रहन-सहन में भी परिवर्तन आया। यही नहीं, उसके करीबियों की संपत्तियां भी तेजी से बढ़ने लगीं। एटीएस ने छांगुर से जुड़े 18 लोगों को आरोपी बनाया है। सभी की संपत्तियां भी बढ़ी हैं। सूत्रों के अनुसार छांगुर के पास विदेशों से रुपये आने लगे तो उसकी चाल-ढाल भी बदली और अपने सहयोगियों पर भी वह खर्च करने लगा। एटीएस की जांच में भी यह सामने आया कि तीन-चार वर्षों में बड़े पैमाने पर संपत्तियों में इजाफा हुआ। करीबियों की पड़ताल अभी हो रही है। एटीएस को छांगुर के 14 अन्य सहयोगियों की तलाश है, जिनसे अहम जानकारी हासिल हो सकेगी।

खलिहान, तालाब और चरागाह की जमीन पर कर रहा था कब्जे का प्रयास

छांगुर अपने मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी जमीनों को कब्जाने की फिराक में था। वर्ष 2022 से ही उसकी नजर विवादित और सरकारी जमीनों पर पड़ी थी। सरकारी जमीनों पर वह मजार और मदरसा खोलने की तैयारी कर रहा था। उतरौला में ही उसने दो स्थानों पर कब्जा किया था। एक पर कोठी बना ली, जिसे प्रशासन ने गिरा दिया, दूसरे की छानबीन हो रही है। एटीएस की जांच में भी सामने आया है कि स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की मदद से छांगुर सरकारी जमीनों को हड़प रहा था। उतरौला के साथ ही वह आसपास के गांवों की सरकारी जमीनों को भी कब्जाने की तैयारी में था। ऐन वक्त पर एटीएस ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया। उतरौला में छांगुर ने तहसील कर्मियों से मिलीभगत करके एक बड़े तालाब की जमीन को अपने नाम दर्ज करा लिया। इसी जमीन को 12 नवंबर 2023 को नीतू रोहरा के नाम बेच भी दिया। इस खरीद-बिक्री में एक करोड़ रुपये का भुगतान नीतू से लिया जाना भी बैनामे में दर्शाया गया। छांगुर की नजर लालगंज, रेहरामाफी, चपरहिया, बनघुसरा की सरकारी जमीनों पर भी थी।

अधिशाषी अधिकारी की आपत्ति के बाद भी जमीन की हो गई बिक्री: उतरौला नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी ने तालाब की जमीन पाटने की जानकारी की रिपोर्ट प्रशासन को भेजी थी। 24 जून 2022 को ईओ ने एडीएम को भेजी रिपोर्ट में कहा था कि तालाब की भूमि को छांगुर पटवा रहा है, इसे रोका जाए। इसके बाद छांगुर ने बड़ा दांव चला और तालाब की जमीन का बैनामा नीतू के नाम करके एक करोड़ रुपये ले लिए।

टीम इंडिया की सबसे मजबूत दीवार साबित हो रही कमजोर कड़ी...

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल द्रविड और चेतेश्वर पुजारा... भारतीय क्रिकेट के वो दो मजबूत स्तंभ जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में नंबर 3 पोजीशन लंबे समय तक संभाली. लेकिन पुजारा को जब से टीम इंडिया से हटाया गया है, तब से ही इस पोजीशन पर कोई भी ऐसा बल्लेबाज नहीं दिखा जिसने नंबर 3 पर विश्वास दिखाया है. द्रविड और पुजारा इस पोजीशन पर खेलते थे तो नंबर 3 को भारतीय टीम की दीवार कहा जाता था, लेकिन हालिया समय में यह दीवार कमजोर कड़ी साबित हुई है.

इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम ने लीड्स टेस्ट में साई सुदर्शन को इस नंबर पर खिलाया जो महज 30 रन (पहली पारी में 0 दूसरी पारी में 30 रन) बना सके. करुण नायर एजबेस्टन टेस्ट (31, 26) और लॉर्ड्स टेस्ट (40, 14) में तीसरी पोजीशन पर खेले, लेकिन उन्होंने भी कुछ खास प्रभावित नहीं किया. ऐसे में सवाल है कि मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 जुलाई से होने वाले मुकाबले में करुण नायर को खिलाया जाएगा या साई सुदर्शन को मौका मिलेगा या एक और दावेदार अभिमन्यु ईश्वरन को मौका मिलेगा .

करुण को और कितने मौके?

33 साल के करुण नायर मौजूदा सीरीज में अब तक 6 पारियों में सिर्फ 131 रन बना सके हैं. उनका एवरेज 21.83 है. लीड्स टेस्ट में करुण को निचले क्रम में बैटिंग का मौका मिला, लेकिन जब उन्हें अगले दो टेस्ट में तीसरे नंबर पर खि?लाया गया, तो वह उस मौके का फायदा नहीं उठा सके. लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में जब टीम को एक स्थिर साझेदारी की जरूरत थी, तब वो गेंद छोड़ने की कोशिश में वे LBW आउट हुए.

वैसे हेड कोच गौतम गंभीर ने सीरीज से पहले साफ कहा था कि करुण को ज्यादा मौके दिए जाएंगे. लेकिन वो गंभीर की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं.

साई या ईश्वरन में कितना दम, क्या करुण होंगे रिप्लेस

मैनचेस्टर मे 23 जुलाई से होने वाले टेस्ट में करुण नायर को बेंच पर बैठाकर अभिमन्यु ईश्वरन या साई सुदर्शन के विकल्प के साथ भारतीय टीम उतर सकती है. साई सुदर्शन को लीड्स टेस्ट में टीम में मौका मिला था. जहां वो पहली पारी में 0 तो दूसरी पारी में 30 रन पर आउट हो गए थे.

शुभमन गिल का खुलासा, उम्मीद नहीं थी किंग चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट देखेंगे

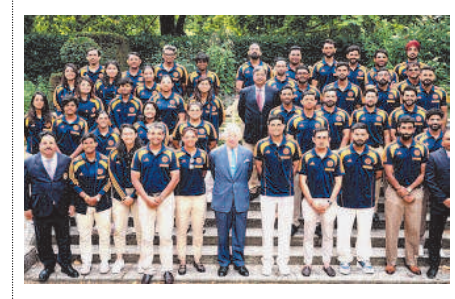

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि टीम को उम्मीद नहीं थी कि किंग चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट मैच देखेंगे। भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने मंगलवार को लंदन स्थित क्लेरेंस हाउस में किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की। इस दौरान किंग चार्ल्स ने जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, शुभमन गिल समेत अन्य खिलाड़ियों से बातचीत की। किंग चार्ल्स तृतीय ने अपनी परंपरा निभाते हुए लंदन दौरे पर आई भारतीय क्रिकेट टीम का क्लेरेंस हाउस में स्वागत किया। यह एक दोस्ताना मुलाकात थी।

किंग चार्ल्स तृतीय इंग्लैंड दौरे पर राष्ट्रमंडल क्रिकेट टीमों का स्वागत करने की परंपरा रखते हैं। राष्ट्रमंडल प्रमुख के रूप में मेहमानों की मेजबानी कर रहे किंग चार्ल्स ने भारतीय टीम से बातचीत के दौरान बताया कि उन्होंने भारत-इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच की झलकियां देखीं। इस मुकाबले में गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम को महज 22 रन से करीबी हार झेलनी पड़ी थी। गिल ने बीसीसीआई के एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, किंग चार्ल्स बहुत दयालु और उदार हैं। उन्होंने हमसे बहुत अच्छी बातचीत की। उम्मीद नहीं थी कि वह हमारा मैच देखेंगे। किंग चार्ल्स ने बताया कि उन्होंने हमारे मुकाबले के आखिरी सेशन के कुछ अंश देखे। यह एक शानदार अनुभव था। हम इसके लिए बहुत आभारी हैं।

इस दौरान क्लेरेंस हाउस में इंग्लिश अभिनेता और संगीतकार इद्रिस एल्बा ने भी खिलाड़ियों से मुलाकात की। इद्रिस एल्बा सेंट जेम्स पैलेस में आयोजित यूथ ऑपर्च्युनिटीज समिट के लिए लंदन पहुंचे थे। एल्बा ने भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस मुलाकात के दौरान बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराइस्वामी भी मौजूद थे। शुक्ला ने किंग चार्ल्स को अपनी पुस्तक स्कार्स ऑफ 1947 भेंट की। राजीव शुक्ला ने एक्स पर पोस्ट किया, ब्रिटेन के किंग चार्ल्स हम सभी से बहुत ही गर्मजोशी के साथ अपने घर पर मिले।

इंग्लैंड के जो रूट 8वीं बार नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज

- भारत से पंत और जायसवाल को एक-एक स्थान का नुकसान; बुमराह नंबर-1 बॉलर बरकरार

दुबई, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने एक बार फिर आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ खेले गए तीसरे टेस्ट में रूट ने शानदार 104 और 40 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड को 22 रन की जीत मिली और रूट को 888 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 की रैंक वापस मिल गई। रूट ने इंग्लैंड के ही हैरी ब्रुक (862 अंक) को पीछे छोड़ा। यह रूट का टेस्ट आठवीं बार नंबर-1 बनना है, और 34 साल की उम्र में वह कुमार संगाकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर-1 बल्लेबाज हैं। भारत से यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को एक-एक जबकि कप्तान शुभमन गिल को 3 स्थान का नुकसान हुआ है। बॉलिंग रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर बने हुए हैं।

स्टीव चौथे और विलियमसन दूसरे स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ जमैका टेस्ट में 48 रन की पारी खेलकर एक स्थान की छलांग लगाई और अब वह 816 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। उनके साथी कैमरन ग्रीन ने भी 46 और 42 रन बनाकर 16 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 29वें स्थान (619 अंक) पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को रैंकिंग में फायदा हुआ है। वे अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं। जबकि हैरी ब्रूक तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं।

ICC ने इंग्लैंड पर लगाया जुर्माना, WTC प्वाइंट्स टेबल में बड़ा नुकसान

नई दिल्ली एजेंसी । लॉर्ड्स टेस्ट में भारत पर मिली रोमांचक 22 रन की जीत के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने की कीमत इंग्लैंड को चुकानी पड़ी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) प्वाइंट्स टेबल से इंग्लैंड के दो अंक काट लिए गए हैं। टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बताया कि इंग्लैंड पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ के लिए आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार लगाया गया है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। इसके मुताबिक, निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। डब्ल्यूटीसी के प्लेइंग कंडीशंस के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार, अगर कोई टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करती, तो प्रत्येक कम ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है, यह कटौती समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद की जाती है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपराध स्वीकार लिया है। इसी के साथ उन्होंने रिची रिचर्डसन के लगाए गए प्रस्तावित जुर्माने को भी स्वीकारा। आईसीसी ने बताया कि ऐसे में औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी है। यह आरोप मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर अहसान रजा और फोर्थ अंपायर ग्राहम लॉयड ने लगाए थे। लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति का दोषी पाए जाने के बाद इंग्लैंड के डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग्स में अंक 24 से घटकर 22 हो गए हैं। इसके चलते उनका प्वाइंट पर्सेंटेज 66.67 से घटकर 61.11 रह गया है। इसके परिणामस्वरूप, इंग्लैंड डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गया है। श्रीलंका अब इस टीम को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गया है। प्वाइंट्स टेबल में फिलहाल ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पायदान पर है। भारतीय टीम चौथे नंबर पर है। लॉर्ड्स में, पहली पारी में स्कोर बराबर होने के बाद इंग्लैंड ने भारत को 193 रनों का लक्ष्य दिया।

बशीर की जगह डॉसन शामिल

भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम घोषित

लंदन, एजेंसी। 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। शोएब बशीर की जगह स्पिनर लियाम डॉसन को टीम में शामिल किया है। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान शोएब बशीर की उंगली टूट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के बाकी दो टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर रखने का फैसला किया। बशीर को लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में चोट लगी थी, जब रवींद्र जडेजा ने एक जोरदार शॉट सीधे बशीर की तरफ मारा। शॉट पकड़ने की कोशिश में गेंद उनकी उंगली में लग गई। हालांकि, इंजरी के बावजूद शोएब ने चौथी पारी में गेंदबाजी की और मोहम्मद सिराज का आखिरी विकेट लेकर मैच में इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड पुरुष टीम के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा, लियाम डॉसन टीम में शामिल होने के हकदार हैं। वह काउंटी चैंपियनशिप में शानदार फॉर्म में हैं और हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। 35 वर्षीय डॉसन ने आखिरी बार जुलाई 2017 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था। वह इंग्लैंड की तरफ से अब तक तीन टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वह कई वर्षों से हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें क्रमशः 2023 और 2024 में पीसीए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि तेज गेंदबाज सैम कुक और जेमी ओवरटन काउंटी चैंपियनशिप में खेलने के लिए अपने-अपने काउंटी में लौट गए हैं। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में रोमांचक जीत के बाद इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है।

चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीमः

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और क्रिस वोक्स।

रवींद्र जडेजा के नाबाद 61 रनों के बावजूद भारत 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 पर सिमट गया और 22 रन से मैच हार गया।

पूर्व क्रिकेटर मदन लाल का विराट कोहली से आग्रह

मेरी इच्छा है कि वह संन्यास के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी

करें,**नई दिल्ली, एजेंसी।** लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ दिल तोड़ने वाली हार के एक दिन बाद 1983 विश्व कप विजेता और भारत के पूर्व ऑलराउंडर मदन लाल ने विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास से वापसी का आग्रह किया। व्यापक रूप से खेल के आधुनिक महान खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले कोहली ने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

कोहली ने 123 मैचों में 46.85 की प्रभावशाली औसत से 30 शतकों और 31 अर्धशतकों के साथ 9230 रन बनाकर अपने 14 साल के करियर को अलविदा कह दिया। उन्होंने ग्रीम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48 जीत) और स्टीव वॉ (41 जीत) के बाद चौथे सबसे सफल टेस्ट कप्तान के रूप में संन्यास ले लिया। मदन लाल ने कहा, विराट कोहली का

भारतीय क्रिकेट के प्रति जुनून बेजोड़ था। मेरी इच्छा है कि वह संन्यास के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें। वापसी में कोई बुराई नहीं है। अगर इस सीरीज में नहीं, तो उन्हें अगली सीरीज में वापसी करनी चाहिए।

कोहली के 30 टेस्ट शतक उन्हें सचिन तेंदुलकर (51 शतक), राहुल द्रविड़ (36) और सुनील गावस्कर (34) के बाद भारत के चौथे सबसे सफल बल्लेबाज हैं।

कोहली ने 7 टेस्ट दोहरे शतक भी लगाए, जो किसी भी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे ज़्यादा शतक है। मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर लीड्स में सीरीज के पहले मैच में 5 विकेट से हार के बाद भारत ने दूसरे टेस्ट में प्रभावशाली वापसी की। संयमित गेंदबाजी और बेहतर क्षेत्ररक्षण के साथ, मेहमान टीम ने अंतिम दिन इंग्लैंड को 27/1 पर आउट कर एक से ज़्यादा सत्र शेष रहते यादगार जीत हासिल की।

इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने दूसरी पारी में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 192 रनों पर समेट दिया। वाशिंगटन सुंदर ने शानदार प्रदर्शन किया जिन्होंने चार अहम विकेट लेकर मेहमान टीम के लिए एक आसान लक्ष्य रखा। लेकिन, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने चौथे दिन के अंतिम सत्र और 5वें दिन के शुरुआती सत्र में नाटकीय ढंग से भारत को 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रनों पर आउट कर दिया, जबकि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने शानदार वापसी की।

ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। 32 वर्षीय मूर वर्तमान में एकल में 864वें और युगल में 187वें स्थान पर हैं और सकारात्मक परीक्षण के बाद अपने अनंतिम निलंबन से लौटने के बाद से वह अधिकतर निचले स्तर के डब्ल्यूटीए टूर आयोजनों में खेल रही हैं। खेल पंचाट ने डोपिंग के एक मामले में ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। खेल पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति व्यक्त की है कि प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए। मूर को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था, लेकिन दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी गई थी, जब एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण ऐसा हुआ था। आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। खेल पंचाट ने आईटीआईए के पक्ष में निर्णय दिया, जिसमें कहा गया कि उसके पैनल के अधिकतर सदस्यों का यह मानना था कि मूर यह साबित नहीं कर पाई कि दूषित मांस के सेवन के कारण उनका नमूना पॉजिटिव पाया गया था। 32 वर्षीय मूर वर्तमान में एकल रैंकिंग में 864वें और युगल में 187वें स्थान पर हैं।

महाद्वीप के 20 देशों के शीर्ष सर्फर तीन से 12 अगस्त तक होने वाली एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 के लिए यहां महाबलीपुरम में चुनौती पेश करेंगे। एशियाई सर्फिंग महासंघ (एएसएफ) के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट में शॉर्टबोर्ड वर्गों में प्रतिस्पर्धा होगी जो ओपन पुरुष, ओपन महिला, अंडर-18 लड़के और अंडर-18 लड़कियों के वर्ग में होगी। इस प्रतियोगिता के जरिए सर्फर जापान में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास करेंगे।

भारतीय हैंडबाल टीम की फिजियोथेरेपिस्ट बनीं मोनिका

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में होने वाली यूथ एशियन हैंडबाल चैंपियनशिप में मोनिका टीम के साथ सेवाएं देंगी। चयन पर मोरसिंघी हैंडबाल अकादमी की संचालिका और कोच स्नेहलता ने मोनिका शर्मा को बधाई दी है। हमीरपुर की बेटी

मोनिका शर्मा का चयन भारतीय हैंडवाल टीम में बतौर फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में हुआ है। चीन में होने वाली यूथ एशियन हैंडबाल चैंपियनशिप में मोनिका टीम के साथ सेवाएं देंगी। चयन पर मोरसिंघी हैंडबाल अकादमी की संचालिका और कोच स्नेहलता ने मोनिका शर्मा को बधाई दी है। यूथ एशियन वुमन हैंडबाल चैंपियनशिप के लिए भारत की टीम चीन में होगी यूथ एशियन हैंडबाल प्रतियोगिता चीन के लिए रवाना हो चुकी है। इस टीम में मुख्य कोच सचिन चौधरी हैं।

जापान ओपन बेडमिंटनः

सिंधू पहले दौर में हारकर बाहर, सात्विक-चिराग और लक्ष्य जापान ओपन के दूसरे दौर में

टोक्यो, एजेंसी। सिम ने भारतीय खिलाड़ी सिंधू के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की। वहीं, सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में हराया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू एक बार फिर पहले दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रही, लेकिन लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए।

पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू को इस सुपर 750 टूर्नामेंट में कोरिया की सिम यू जिन के हाथों 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस वर्ष पांचवां अवसर है जबकि सिंधू पहले दौर की बाधा पार नहीं कर पाई। सिंधू ने पहले गेम में थोड़ी

चुनौती पेश की लेकिन इस बीच उन्होंने काफी गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर सिम यह गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू जल्दी ही 1-6 से पीछे हो गई। वह हालांकि स्कोर 11-11 से बराबर करने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने आसानी से बढ़त बनाकर सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। सिम ने इस तरह से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की। इससे पहले पुरुष युगल में वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में 21-18, 21-10 से हराया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा और कोरिया के खिलाड़ियों में पहले गेम में उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शुरू से ही दबदबा बना कर रखा और आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

इस बीच पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के वांग झेंग जिंग को 21-11, 21-18 से हराया। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा.